दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

▪ ग्वालियर ▪ वर्ष : 2 ▪ अंक : 28 | ग्वालियर, गुरुवार 27 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8 ▪ मूल्य : 2 रु.

केजरीवाल की मोदी सरकार से मांग, भारतीय करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो लगाई जाए

इंडोनेशिया की करेंसी में भगवान गणेश की तस्वीर छापी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से अपील की है कि भारतीय करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो लगाई जाए। नोट के एक ओर गांधी जी% की तस्वीर को बरकरार रखकर दूसरी तरफ उन्होंने %लक्ष्मी-गणेश% की तस्वीर लगाने की मांग कर इससे उनका आशीर्वाद मिलेगा और देश की तरक्की होगी। केजरीवाल की मांग को गुजरात चुनाव से जोड़कर देखकर मुसलमानों की नाराजगी को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, दिल्ली के सीएम ने मुस्लिम देश इंडोनेशिया का उदाहरण देकर पहले ही इस पर जवाब देने की कोशिश की है।

डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का हवाला देकर केजरीवाल ने कहा कि कई बार देवी-देवताओं का आशीर्वाद नहीं मिलने से प्रयास सफल नहीं होते हैं। केजरीवाल ने कहा कि लक्ष्मी-गणेश की नोट पर तस्वीर लगाने से देश को उनका आशीर्वाद मिलेगा। मुसलमानों की संभावित नाराजगी पर जवाब देकर केजरीवाल ने कहा कि 85 फीसदी मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया ने भी अपनी करेंसी पर गणेश जी की तस्वीर लगाई है। केजरीवाल ने कहा, इंडोनेशिया एक मुस्लिम देश है। 85 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम हैं। 2 फीसदी से भी कम हिंदू हैं वहां पर, लेकिन उन्होंने भी अपने नोट पर गणेश जी की तस्वीर छापी है। यह एक बहुत अहम कदम है, जो केंद्र सरकार को उठाना चाहिए। मैं 130 करोड़ लोगों की ओर से केंद्र सरकार और पीएम मोदी से यह अपील करता हूं। केजरीवाल से पूछा गया कि क्या इस पर विशेष समुदाय को ऐतराज नहीं होगा, तब उन्होंने कहा, %%हम किसी के खिलाफ नहीं बोल रहे हैं, हम यह नहीं कह रहे हैं, कि इस हटाओ उस रखो। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं, जब इंडोनेशिया कर सकता है, तब हम भी कर सकते हैं। इसमें किसी को आपत्ति होनी नहीं चाहिए। सबकी समृद्धि और संपन्नता की बात हो रही है। लक्ष्मी जी ऐसी देवी हैं, जिनकों समृद्धि और संपन्नता की देवी माना गया है। हिदुत्व कार्ड को लेकर पूछे सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा, आरोप लगाने वाले 100 आरोप लगाएंगे, आरोप लगाने दीजिए।

दिल्ली में मिला मंकीपॉक्स से संक्रमित नाइजीरियन युवक, 19 हुई देश में कुल मरीजों की संख्या

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स का एक केस मिलने से हड़कंप मच गया है। एक नाइजीरियाई युवक मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया है। इसके साथ ही भारत में अब तक मंकीपॉक्स के 19 मामले सामने आ चुके हैं। नाइजीरियाई युवक को दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत स्थिर है और इलाज चल रहा है। इससे पूर्व बीते 29 सितंबर को राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स के 3 नए मामले सामने आए थे। इन तीनों मरीजों को भी लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप मई के शुरूआती दिनों से हुआ था और इसके बाद अभी तक यह बीमारी दुनिया भर के 20 से ज्यादा देशों में फैल चुकी है। भारत में मंकीपॉक्स ने जुलाई के महीने में दस्तक दी थी। भारत में 14 जुलाई को मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया था और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स का पहला मामला बीते 24 जुलाई को आया था। हालांकि इसके बाद राजधानी में कई मामले सामने आए और कई लोग इस बीमारी से ठीक भी हुए। बता दें कि मंकीपॉक्स के ज्यादातर मामले अफ्रीकी मूल के होते हैं। जिनमें हल्का बुखार, मुंह के छाने, जननांग में छाले, कमजोरी, त्वचा पर घाव, शरीर में दर्द और आंखों में जलन जैसी समस्या होती है। विशेषज्ञों के मुताबिक लक्षण सामने आने में 6 से 13 दिन लगते हैं।

खास खबर

गृह मंत्रियों के दो दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के सूरजकुंड में आयोजित होने वाले राज्यों के गृह मंत्रियों के दो दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करने वाले हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इसकी जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा चिंतन शिविर को संबोधित करने वाले हैं। दो दिवसीय चिंतन शिविर की शुरुआत 27 अक्टूबर को होगी और 28 तारीख को समाप्त होगा। इसमें राज्यों के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और केंद्रीय सुरक्षा बलों के महानिदेशक भी शामिल होने वाले हैं। पीएमओ ने कहा कि गृह मंत्रियों का चिंतन शिविर प्रधानमंत्री द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में घोषित पंच प्राण के अनुसार आंतरिक सुरक्षा से संबंधित मामलों पर नीति निर्माण को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करने का एक प्रयास है। पीएमओ के मुताबिक, सहकारी संघवाद की भावना से यह शिविर केंद्र और राज्य स्तर पर विभिन्न हितधारकों के बीच योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक तालमेल लाएगा। शिविर में पुलिस बलों के आधुनिकीकरण, साइबर अपराध प्रबंधन, आपराधिक न्याय प्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के बढ़ते उपयोग, भूमि सीमा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा, महिला सुरक्षा, मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कई घंटों की मेहनत के बाद बुझी जोधपुर के सच्चियाय माता मंदिर में लगी आग

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर जिले के ओसियां कस्बे में स्थित प्रसिद्ध श्री सच्चियाय माताजी मंदिर परिसर में मंगलवार देर रात भीषण आग लग गई। आग लगने के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन संभावना जताई जा रही है कि पटाखों की चिंगारी गिरने से मंदिर में लगे पर्दों और टेंट ने आग पकड़ ली। मंदिर परिसर में आग को धधकता देखकर वहां अफरातफरी मच गई। बाद में पुजारियों और स्थानीय लोगों ने आग पर बड़ी मुश्किल से काबू पाया। आग पर समय रहते काबू पा लेने से बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार यह मंदिर करीब 11 सौ वर्ष पुराना है। श्री सच्चियाय माताजी मंदिर परिसर में आग लगने की घटना मंगलवार देर रात को हुई। मंदिर के ऊपरी हिस्से में लगी आग देखते ही देखते विकराल रूप लेने लगी। आग मंदिर में लगे पर्दों और टेंट तक फैल गई। आग लगने की घटना के दौरान मंदिर परिसर में भय का माहौल पैदा हो गया। आग बुझाने के लिए मंदिर में लगे फायर सिस्टम घटना के वक्त नाकाफी साबित हुए। आग की लपटें कस्बे में दूर-दूर तक दिखाई देने लगी। बाद में मंदिर के आसपास रहने वाले और अन्य लोग मौके पर दौड़े। उन्होंने बड़ी मुश्किल से पानी की बाल्टियों और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नही चल पाया है।

ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कंपनी का डेटा हैंक

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कंपनी मेडिबैंक ने कहा कि एक साइबर अपराधी ने उसके सभी 40 लाख ग्राहकों का निजी डेटा हैक कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ऐसा कानून लेकर आई है जिसके तहत उन कंपनियों पर अब अधिक जुर्माना लगेगा जो अपने ग्राहकों की निजी जानकारियों की रक्षा नहीं कर सकती। मेडिबैंक ने कहा कि बड़ी संख्या में स्वास्थ्य दावों के आंकड़ों तक भी अपराधी की पहुंच बन गई थी।

अनूठी परंपरा मन्नत लेकर आने वालों लोगों के ऊपर छोड़ दी जाती हैं हजारों गाय

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन में बड़नगर रोड स्थित गांव भीड़ावद में सालों से एक अनूठी परंपरा चली आ रही है। चार हजार की आबादी वाले गांव में दीपावली के दूसरे दिन दर्जनों लोग मन्नत लेकर आते हैं और जमीन पर लेट जाते हैं। फिर उनके ऊपर दर्जनों से अधिक गायों को छोड़ दिया जाता है। दर्जनों गाय जमीन पर लेटे लोगों के ऊपर से गुजर जाती हैं। इस मंजर को देखने के लिए हर साल गांव में हजारों लोग जमा होते हैं। गांव में ये परंपरा कब शुरू हुई किसी को याद नहीं लेकिन यहां के बुजुर्ग हों या जवान सभी यह देखकर बड़े हुए हैं। इस गांव और आसपास के इलाकों के वहां लोग यहां आते हैं जिन्हें मन्नत मांगनी होती है या जिनकी मन्नत पूरी हो जाती है। वहां दीपावली के पांच दिन पहले ग्यारस के दिन अपना घर छोड़ देते हैं और यहां माता भवानी के मंदिर में आकर रहने लगते हैं। दिवाली के अगले दिन फिर ये मेला लगता है। जिनकी मन्नत पूरी हो जाती है, वहां गायों के सामने जमीन पर लेट जाते हैं। इस साल भी गांव के सात लोगों ने मन्नत मांगी थी जिन लोगों की मन्नत पूरी हो गई वह गांव के रास्ते पर लेट जाते हैं फिर उनके ऊपर से गायों को गुजारा जाता है।

रामलला 14 जनवरी को गर्भग्रह में विराजेंगे, उसी दिन आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे मंदिर के कपाट

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर का निर्माण लगभग 50 फीसदी पूरा हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 14 जनवरी 2024 को मकरसंक्रांति के दिन रामलला गर्भग्रह में विराजेंगे और इसके साथ ही मंदिर कपाट आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अयोध्या में मौजूद रहेंगे।

ट्रस्ट की तरफ से मीडिया को बुलाकर के मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी दी गई। ट्रस्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर जगदीश आपडे ने बताया कि मंदिर निर्माण का काम पिछले 2 साल से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 2 साल के अंदर मंदिर का काम पूरा हो जाएगा। गर्भगृह का निर्माण दो तीन महीने के अंदर पूरा हो जाएगा। जिसके बाद श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मंदिर के अन्य हिस्से का निर्माण कार्य चलता रहेगा।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 14 जनवरी 2024 को मकर संक्रांति के दिन राम मंदिर का उद्धाटन प्रस्तावित है। उस दिन सूर्य देव उत्तरायण होंगे, जिसे शुभ कार्यों के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। इसी दिन रामलला गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी इस खास मौके के साक्षी होंगे। इसी दिन से मंदिर के गर्भगृह को आम जनता के दर्शनों के लिए खोल दिया जाएगा। जबकि मंदिर के बाकी हिस्से का काम चलता रहेगा। चंपत राय ने बताया कि मंदिर की ऊंचाई 161 फीट होगी, उसमें 394 खंभे होंगे और हर खंभे पर 16 मूर्तियां रामायण से जुड़ी बनेंगी। मंदिर के निर्माण में लोहे की सरिया का कहीं भी प्रयोग नहीं किया गया है। ज्यादा से ज्यादा कॉपर का प्रयोग किया जा रहा है। अभी तक मंदिर का 50 फीसदी काम पूरा हो चुका है। ग्राउंड लेवल 17 फीट ऊपर है और खुदाई स्थल से 60 फीट ऊपर है। चंपत राय ने बताया कि राम नवमी के दिन सूर्य की रोशनी सीधे भगवान रामलला के मस्तक पर पड़ेगी। इसके लिए अंतरिक्ष से टेलीस्कोपिक विधि तैयारी की जा रही है। निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसियां इस दिशा में काम कर रही हैं।

यूक्रेन को दो मार्स मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और 4 हॉवित्जर तोप देगा जर्मनी

कीव। रूसी मिसाइलों द्वारा ताबड़तोड़ अटैक के बाद जर्मनी ने यूक्रेन को हथियार देने का फैसला किया है। बर्लिन यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति करेगा। जर्मन राष्ट्रपति स्टीनमीयर ने ज़ेलेंस्की से मुलाकात के बाद कहा कि वह यूक्रेन में एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति जारी रखेंगे। जर्मनी यूक्रेन को दो मार्स मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और 4 हॉवित्जर तोप प्रदान करेगा। 24 फरवरी को रूसी आक्रमण के बाद से यह स्टीनमीयर की यूक्रेन की पहली यात्रा थी। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान कहा, यूक्रेनियन को मेरा संदेश यह है कि हम न केवल आपके साथ खड़े हैं। बल्कि हम आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य रूप से भी यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा यह कितना दुखद है, कितना विनाश है। यूक्रेन में लोगों को हमारी जरूरत है। जर्मनी में 1990 के बाद से मार्स मध्यम आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के तहत उपयोग में है। मार्स 10 से 40 किमी की दूरी पर अलग-अलग लक्ष्यों पर विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद दाग सकता है, वहीं हॉवित्जर तोप 40 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है। हॉवित्जर में एक मोटा बैरल होता है और आमतौर पर यह एक आर्टिलरी गन के बीच एक बड़ा रेंज वाला हथियार होता है, जिसमें छोटे, उच्च-वेग वाले गोले होते हैं, जो सपाट प्रक्षेप वक्र पर दागा जाता है। यूक्रेन को जर्मन और अमेरिका निर्मित कई रॉकेट लॉन्चर मिले हैं। इसके लिए कीव के सहयोगियों ने जेलेंस्की से वादा किया था कि वे यूक्रेन को भारी हथियारों की डिलीवरी करेंगे, ताकि यूक्रेनी सेना मजबूती से लड़ सके। बता दें कि कीव ने पहले कहा था कि उसे रूसी सैनिकों को पीछे हटाने के लिए 1,000 हॉवित्जर, 500 टैंक और अन्य भारी हथियारों के साथ 1,000 ड्रोन की जरूरत है।

हिमाचल में अपने ही बने भाजपा के लिए सिरदर्द, बागियों को मनाने मैदान में उतरे नडडा

शिमला। हिमाचल में इस बार सरकार नहीं, रिवाज बदले के नारे के साथ दुबारा जनादेश हासिल करने के लिए विधानसभा के चुनावी मैदान में उतरी भाजपा के लिए अपने ही परेशानी का कारण बन गए है। पार्टी के बगावत करने वाले कई नेताओं की वजह से भाजपा कुछ सीटों पर संकट का सामना कर रही है। हालात को लगातार खराब होते देखकर, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वयं ही मोर्चा संभाल लिया है। दरसअल, हिमाचल प्रदेश जेपी नड्डा का गृह राज्य है, इसकारण राज्य में सीधे-सीधे भाजपा आलाकमान की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इस वजह से बागियों को समझाने और मनाने के लिए नड्डा को स्वयं मैदान में उतरना पड़ा। बताया जा रहा है कि नड्डा पार्टी और पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करने वाले नेताओं को स्वयं मना रहे हैं। जहां उन्हें लग रहा है, कि किसी मौजूदा विधायक का टिकट काटने में गलती हुई, वहां पार्टी ने तुरंत अपना उम्मीदवार बदल दिया और जहां उन्हें लग रहा है कि पार्टी का फैसला बिल्कुल सही है, वहां वह बागियों से सख्ती से भी निपट रहे हैं। पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में चंबा के मौजूदा विधायक पवन नय्यर का टिकट काटकर इंदिरा कपूर को चंबा से उम्मीदवार बनाया था लेकिन बाद में स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं के भारी विरोध के बाद दो दिनों के अंदर ही उम्मीदवार बदल कर नय्यर की पत्नी नीलम नय्यर को चंबा से उम्मीदवार घोषित किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेता महेश्वर सिंह को कुल्लू सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया था लेकिन उनके बेटे हितेश्वर सिंह ने बगावत का झंडा बुलंद करते हुए बंजारा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। नड्डा ने बाप-बेटे दोनों का मनाने की कोशिश की लेकिन जब वहां नहीं माने, तब सख्त रवैया दिखाकर उन्होंने पिता का भी टिकट काट दिया। अब भाजपा ने कुल्लू सीट से महेश्वर सिंह का टिकट काटकर नरोत्तम ठाकुर को उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

तंगधार में सेना ने विफल किया घुसपैठ का प्रयास, मुठभेड़ में विदेशी आतंकी ढेर

श्रीनगर। कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा से सटे तंगधार सेक्टर के सुधपोरा इलाके में भारतीय सेना ने आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया है। पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ का प्रयास कर रहे दो से तीन आतंकवादियों में से सुरक्षाबलों ने एक को सीमा के नजदीक ही ढेर कर दिया। जबकि गोलीबारी के बाद अन्य दो आतंकवादी सुरक्षित वापस लौटने में सफल रहे। इस घटना के बाद सुरक्षाबलों ने तंगधार सेक्टर से लगते इलाकों में सर्च आपरेशन चलाया है।

कश्मीर में आतंकवाद को जिंदा रखने के लिए पाकिस्तान आतंकवादियों की भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कराने का लगातार प्रयास कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने भी इस बात को लेकर पहले ही सुरक्षाबलों को सचेत कर रखा है कि नियंत्रण रेखा के पार 250 से अधिक आतंकी घुसपैठ को तैयार बैठे हैं। ऐसे में बर्फबारी का सिलसिला तेज होने से पहले ये आतंकी किसी भी तरह भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की फिराक में हैं। जिला कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के उस पार बैठे आतंकवादियों के एक दल ने आज तड़के तंगधार सेक्टर में सुधपोरा इलाके से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने का प्रयास किया। सैन्य सूत्रों के अनुसार इनकी संख्या दो से तीन के करीब बताई जा रही है। रात के अंधेरे में छिपते-छिपाते जैसे ही ये आतंकी भारतीय सीमा के नजदीक पहुंचे, सुरक्षा में तैनात जवानों ने उन्हें चेतावनी दी। इसके बाद भी आतंकवादियों ने जब आगे बढ़ना जारी रखा तो सुरक्षाबलों की फायरिंग में एक आतंकी वहीं ढेर हो गया। साथी को गोली लगते ही दूसरे आतंकी वापस लौट गए। सैन्य सूत्रों ने बताया कि मारा गया आतंकी विदेशी बताया जा रहा है। सुरक्षाबलों ने मारे गए आतंकी के शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

सत्तासीन नेताओं के झूठ एवं नफरत के चक्र को तोड़ेगी कांग्रेस : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मौजूदा सरकार की झूठ और नफरत की व्यवस्था को ध्वस्त कर देगी। दलित समुदाय से संबंध रखने वाले 80 वर्षीय खड़गे, 17 अक्टूबर को हुए चुनाव में, अपने प्रतिद्वंद्वी 66 वर्षीय शशि थरूर को मात देकर पार्टी अध्यक्ष बने हैं। पार्टी के 137 साल के इतिहास में छठी बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। इस चुनाव में 24 साल बाद गांधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे को यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में औपचारिक रूप से निर्वाचन पत्र सौंपा गया और इसी के साथ उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया। खड़गे ने निर्वाचन पत्र सौंपे जाने के बाद कहा कि यह उनके लिए एक भावुक पल है और वह एक मजदूर के बेटे एवं साधारण कार्यकर्ता को पार्टी का अध्यक्ष बनाने के लिए कांग्रेस के नेताओं का आभार व्यक्त करते हैं। खड़गे ने कहा मैं जानता हूं कि यह मुश्किल समय है। कांग्रेस द्वारा स्थापित लोकतंत्र को बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस देश में मौजूद झूठ एवं घृणा की इस प्रणाली को तोड़ेगी। खड़गे ने 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने के लिए राहुल गांधी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा 50 वर्ष से कम आयु वर्ग के नेताओं को पार्टी में 50 प्रतिशत पद दिये जाने, संगठनात्मक रिक्तियों को भरने, जन अंतर्दृष्टि विभाग एवं चुनाव प्रबंधन विभाग की स्थापना, राज्यों में राजनीतिक मामलों की समिति गठित करने जैसे उदयपुर घोषणापत्र के प्रस्तावों को क्रियान्वित किया जाएगा। खड़गे ने कहा यह कैसा नया भारत है, जिसमें युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रहीं, किसानों को जीप के नीचे कुचला जा रहा है, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं, लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं, लेकिन सरकार आंखें मूंद कर बैठी है, सरकार अपने कुछ पूंजीपति मित्रों की मदद कर रही है। उन्होंने कहा इस नये भारत में भुखमरी बढ़ रही है, शिक्षा की लागत बढ़ रही है, प्रदूषण बढ़ रहा है। सरकार सो रही है, लेकिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) लोगों को दबाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।

न्यूज़ ट्रैक....

भारत-पाक मैच के बाद से डरे हुए हैं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मिचेल मार्श भी भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले के बाद से ही डरे हुए हैं। मिचेल के डरे होने का कारण विराट की बल्लेबाजी है। पाक गेंदबाजों की विराट ने जिस प्रकार पिटाई की थी। उसको देखकर मिचेल को लग रहा है कि विराट अब अपने पुराने अंदाज में वापस आ गये हैं और ऐसे में उन्हें रोकना कठिन रहेगा। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में विराट ने शाइन अफरीदी सहित सभी तेज गेंदबाजों पर बड़े शॉट लगाये थे। कोहली की इस शानदार बल्लेबाजी की इस कंगारु ऑलराउंडर ने जमकर प्रशंसा भी की है। मार्श ने कहा, 'भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हमेशा देखने के लिए एक अविश्वसनीय गेम है। मुझे लगता है हमें विश्व कप को वहीं रोक देना चाहिए। हम तीन हफ्तों के लिए अद्भुत हैं। इस मैच को देखने के बाद मैं कल्पना नहीं कर सकता की उस भीड़ के बीच खेलने पर कैसा महसूस होता है।' मार्श ने कोहली की पारी को लेकर कहा, 'विराट के करियर पर ध्यान दें तो वह इस प्रदर्शन के लिए पिछले 12 महीनों से शांत थे। उन्होंने विश्व कप के अहम मैच में अपना प्रभाव दिखया और यह देखने के लिए एक अविश्वसनीय पारी थी।'

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने की थी गेंद से छेड़छाड़ : पेन

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने एक अहम खुलासा करते हुए कहा है कि साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी जोहानिसबर्ग में खेले चौथे टेस्ट मैच में गेंद से छेड़छाड़ की थी जबकि इसी सीरीज के तीसरे केपटाउन टेस्ट में गेंद से छोड़छाड़ के आरोप कप्तान स्टीव स्मिथ और उपकप्तान डेविड वॉर्नर और गेंबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर लगे थे और इन खिलाड़ियों को प्रतिबंध का भी सामना करना पड़ा था। पेन ने अपनी नई किताब में कहा है कि चौथे टेस्ट के दौरान दक्षिण अफ्रीक खिलाड़ियों ने भी गेंद से छेड़छाड़ की थी। पेन ने अपनी नई आत्मकथा 'द पेड प्राइस' में लिखा, मैंने उस सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में उन्हें ऐसा करते हुए देखा था। इससे पहले केपटाउन में जो कुछ भी हुआ था, उसके बाद किसी के लिए भी ऐसी बातों की कल्पना करना संभव नहीं था। पेन ने कहा, मैं अगले टेस्ट में गेंदबाजों के छोर पर खड़ा था, वहीं जब गेंद मिड ऑफ पर खड़े दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी के पा गई, तब उस पर एक बड़ी दरार थी। पेन केप टाउन में ऑस्ट्रेलिया की अंतिम ग्यारह टीम में शामिल थे। पेन ने यह भी आरोप लगाया कि प्रसारकों ने इस घटना को दबाया। उन्होंने कहा, जिस टेलीविजन निर्देशक ने बैनक्रॉफ्ट को पकड़ने में अहम भूमिका निभाई। उसी ने इस इस फुटेज को तत्काल ही हटा दिया। साथ ही कहा कि हमने अंपायरों को इस मामले की जानकारी दी पर पर उन्होंने हमें आश्वस्त किया कि इस सीरीज में शुरुआती टेस्ट से ऐसी ही गेंद का इस्तेमाल हो रहा हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अंतिम ग्यारह में हो सकते हैं कुछ बदलाव , दोपहर 12.30 बजे से शुरु होगा मुकाबला

सिडनी। टी-20 विश्व कप क्रिकेट के अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान पर मिली जीत से उत्साहित भारतीय टीम गुरुवार को अब यहां अपने दूसरे मैच में नीदरलैंड के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के लिए इस मैच में जीत दर्ज करना कठिन नहीं होगा क्योंकि डच टीम कमजोर है हालांकि इसके बाद भी उसे कम नहीं आंका जा सकता है। भारतीय टीम इस मैच में कुछ बदलाव करते हुए ऑलराउंडर हार्दिक पड्या सहित कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है क्योंकि यह टूर्नामेंट लंबा चलेगा जिसको देखते हुए खिलाड़ियों को तरोताजा होने का अवसर दिया जाएगा। भारतीय टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेगी। नीदरलैंड ने क्वालिफाइंग मुकाबलों में जीत हासिल करके सुपर-12 में तो जगह बना ली है पर हव अभी भारतीय टीम से मुकाबले में बेहद कमजोर है। टीम इंडिया के लिए अंतिम ग्यारह में बदलाव को लेकर एक संशय यह रहेगा की जीत रही इकाई से छेड़छाड़ ठीक नहीं होती। ऐसे में भारतीय टीम बीच का रास्ता अपनाते हुए कुछ बदलाव कर सकती है। पाक के खिलाफ अक्षर पटेल का प्रदर्शन गेंद ओर बल्ले से अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने एक ओवर में काफी रन दिये थे। वहीं जब उन्हें रन गति बढ़ाने के लिए ऊपरी क्रम पर भेजा गया तो वह असफल रहे। ऐसे में उनकी जगह बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत को अवसर मिल सकता है। ऋषभ को जगह मिलती है तो दिनेश कार्तिक को बाहर बैठना पड़ेगा। पाक के खिलाफ अहम मुकाबले में कार्तिक अंतिम क्षणों में रन नहीं बना पाये थे। इसके अलावा इनमें पंड्या को आराम मिलना तय है क्योंकि उनपर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी का भी भार है। उन्हें मैच में चार ओवर करने होते हैं। वह टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी हैं जो किसी भी मैच का रुख मोड़ने में सक्षम हैं। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से होने वाले मैचों को देखते हुए उन्हें तरोताजा होने को अवसर दिया जाएगा।

दोनों टीमों का स्क्वॉड- भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, आर. अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी.

स्टैंडबाय खिलाड़ी- श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर.

नीदरलैंड्स- स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, शारिज अहमद, लोगान वैन बीक, टॉम कूपर, ब्रैंडन ग्लोवर, टिम वैन डेर गुगटेन, फ्रेड क्लासेन, बास डी लीडे, पॉल वैन मीकेरेन, रूलोफ वैन डेर मर्व, स्टीफ़न मायबर्ग, तेजा निदामानुरु, मैक्स ओडॉड, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह।

सिडनी में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं विराट

सिडनी। यहां गुरुवार को नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बड़ी पारी खेल सकते हैं। इसका कारण यह है कि सिडनी के मैदान पर विराट खासे सफल रहे हैं और सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। सिडनी में विराट ने अब तक 4 पारियों में 79 की औसत से 236 रन बनाए हैं। इसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनसे अधिक रन अन्य कोई भारतीय नहीं बना पाया है। उनकी सबसे अच्छी पारी 85 रनों की रही है। उनका स्ट्राइक सबसे अच्छा 146 का रहा है। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी सिडनी में सफल रहे हैं। उन्होंने यहां 2 मुकाबले खेले हैं। इसमें उन्होंने 38 की औसत से 75 रन बनाए हैं जबकि 52 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। टीम इंडिया का प्रदर्शन भी सिडनी में अच्छा रहा है। इस मैदान पर खेले चार मैच में से तीन में भारतीय टीम को जीत मिली है। 4 टी20 इंटरनेशनल के मुकाबले खेले हैं और 3 में जीत दर्ज की है।

स्पेन से खेलने का लाभ मिलेगा : मनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ टीम को विश्व कप में मिलेगा। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच स्पेन से ही खेलना है। मनप्रीत के अनुसार प्रो लीग मैच से उनकी टीम स्पेन की रणनीति बेहतर तरीके से समझ पायेगी। मनप्रीत ने कहा, 'यह अच्छा है कि हमें प्रो लीग मुकाबले में अभी स्पेन के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। इससे हमें उनके खेलने का तरीका समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही हमे पता चलेगा कि विश्व कप से पहले टीम को किस प्रकार के सुधार करने हैं। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर हॉकी के लिए यह रोमांचक समय है और मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर से प्रशंसक हमारा हौंसला बढ़ाने के लिए राउरकेला और भुवनेश्वर आएंगे। भारतीय टीम विश्व कप के पूल डी में इंग्लैंड , स्पेन और वेल्स के साथ है। विश्व कप में स्पेन के खिलाफ भारतीय टीम का मुकाबला नये बने राउरकेला स्टेडियम में खेला जाएगा। यह विश्वका सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम बना है। मनप्रीत ने कहा, 'हम सभी ने अनुभव किया है कि भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में माहौल कितना बेहतर हो सकता है। मैंने सुंदरगढ़ के टीम के अपने साथियों से पता चला है कि इस क्षेत्र के प्रशंसक सभी मुकाबलों के लिए बड़ी संख्या में राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में पहुंचेंगे।

भारतीय टीम का सिडनी मैं विवादों से रहा है पुराना नाता

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम का सिडनी में विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले यहां मंकीगेट , ब्राउन डॉग, बिग मंकी जैसे टिप्पणियां भारतीय टीम पर की गयीं थी। जिनको लेकर काफी विवाद बढ़ा था जिसके बाद कुछ खिलाड़ियों पर प्रतिबंध भी लगे थे। वहीं इस बार भारतीय टीम ने खराब खाने और अभ्यास के लिए दूर मैदान दिये जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। भारतीय टीम को नेट अभ्यास के बाद जो खाना मिला उसमें ठंडे सैंडविच और खीरा-टमाटर मिले जिसे खिलाड़ियों ने लौटा दिया। वहीं टीम को अभ्यास के लिए ब्लैकवुड में स्टेडियम मिला जिसकी दूरी होटल से 42 किलोमीटर थी। इसलिए भारतीय टीम अभ्यास के लिए नहीं गयी क्योंकि लंबी यात्रा से थकान का खतरा था। वहीं अगर पुरानी बातों पर ध्यान दें तो मंकीगेट कांड भी सिडनी से जुड़ा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच साल 2007-2008 बॉर्डर-गावस्कर में सिडनी टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के एंड्रयू साइमंड्स और भारत के हरभजन सिंह आपस में भिड़ गए थे और आरोप था कि हरभजन ने साइमंड्स को मंकी (बंदर) कहा है। हरभजन ने हालांकि इस बात से इनकार किया था। इस मामले में हरभजन सिंह पर 3 मैच का प्रतिबंध लगाया गया था पर सचिन तेंदुलकर सहित टीम इंडिया और भारतीय बोर्ड के कड़े रुख को देखते हुए यह प्रतिबंध हटा दिया गया।

क्रोएशिया में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में मिलान और जगरेब की टीमें खेलती हुई।

व्यापार न्यूज

चीन में विदेशी निवेशक बड़े स्तर पर कर सकते हैं बिकवाली

नई दिल्ली। चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के पांच वर्षों के बाद हुए सम्मेलन के बाद वहां शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दिखी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन में आने वाले समय में विदेशी निवेशक बड़े पैमाने पर बिकवाली कर सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों चीन ने अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े को देर से जारी करने का एलान किया। खबरों के अनुसार पहली बार चीन से विदेशी निवेशक बाहर निकलने की तैयारी कर रहे हैं। इसका असर आने वाले दिनों में वहां के शेयर बाजार पर दिख सकता है। चीन की सत्ताधारी पार्टी के सम्मेलन में सहायक नीतियों में हुई कटौती और नए सिरे से कोविड प्रतिबंधों के कारण बाजार में निवेशकों की चिंताएं बढ़ने लगी है। इस वजह से विदेशी निवेशक चीन में मार्केट से अपने फंड की निकासी का मन बना रहे हैं। पार्टी के सम्मेलन से कोविड की नीतियों में किसी भी तरह के बदलाव नहीं होने के संकेत बाहर आए हैं। बाजार को अब दिसंबर में होने वाले सेंट्रल वर्क कॉन्फ्रेंस का इंतजार करना पड़ सकता है। इस बीच सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि चीन का जी जिंनपिंग नेतृत्व अपनी इकोनॉमिक मुश्किलों का समाधान कैसे और क्या निकालेगा

यूनिलिवर ने वापस मंगाए कई तरह के ड्राई शैंपू

मुंबई। मशहूर कंपनी यूनिलीवर ने डव, नेक्सस, सुआवे, टिगी और ट्रेसमें एयरोसोल ड्राई शैंपू को अमेरिकी बाजार से वापस मंगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें बेंजीन की मौजूदगी पाई गई है। इस केमिकल से कैंसर हो सकता है। अमेरिका फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) मुताबिक ये उत्पाद अक्टूबर 2021 से पहले बनाए गए थे और पूरे देश में रिटेलर्स को वितरित किए गए थे। इनमें डव ड्राई शैंपू वाल्यूम एंड फुलनेस, डव ड्राई शैंपू फ्रेश कोकोनट, नेक्सस ड्राई शैंपू रिफ्रेशिंग मिस्ट आदि शामिल है। बेंजीन से इंसानों में कैंसर हो सकता है। एफडीए ने अपने रिकॉल नोटिस में कहा है कि बेंजीन कई तरह से इंसान के शरीर में जा सकती है।

नोएडा में सस्ता, लखनऊ में महंगा पेट्रोल और डीजल

क्रूड का भाव गिरावट के साथ 92.66 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब एक डॉलर प्रति बैरल की गिरावट आई है। इस बीच बुधवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव देखा जा रहा है। यूपी के नोएडा शहर में जहां पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट नीचे आए हैं, वहीं लखनऊ में इसकी कीमतों में उछाल दिखा है। सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार को भी दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 36 पैसे सस्ता होकर 96.64 रुपए और डीजल 32 पैसे टूटकर 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 13 पैसे

चढ़कर 96.57 और डीजल 12 पैसे बढ़कर 89.76 रुपए लीटर हो गया है।कच्चेत तेल में पिछले 24 घंटे में करीब एक डॉलर का बदलाव हुआ है। इस दौरान ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 92.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई सस्ता होकर 84.66 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एयरटेल डिजिटल टीवी, टाटा प्ले, डिश टीवी और सन डायरेक्ट का होगा विशेष ऑडिट

कंपनियों की लाइसेंस फीस को लेकर लंबे समय से चल रहा है विवाद

नई दिल्ली। सरकार ने सीएजी से डायरेक्ट टु होम (डीटीएच) टीवी सर्विस प्रोवाइडर्स का स्पेशल ऑडिट करने को कहा है। लाइसेंस फीस को लेकर इनका लंबे समय से विवाद चल रहा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में सीएजी को एक पत्र लिखा है। इसमें सभी डीटीएच सर्विस प्रोवाइडर्स का शुरुआत से अब तक इनटेंसिव ऑडिट करने को कहा गया है। इन कंपनियों के राजस्व में गड़बड़ी का संदेह है। यही कारण है कि सरकार ने सीएजी से इनका व्यापक ऑडिट करने को कहा है। डीटीएच ऑपरेटर्स ने मई में लाइसेंस फीस में छूट की मांग की थी। इसके पीछे उनकी दलील थी कि उनके ग्राहकों की संख्या में कमी आई है। उनका कहना था कि स्ट्रीमिंग सर्विसेज के आने जैसे कई कारणों से उनके सब्सक्राइबर्स की संख्या घटी है। 2003 से 2007 के बीच छह डीटीएच लाइसेंस दिए गए थे। लेकिन यह संख्या अब चार रह गई है। इनमें एयरटेल डिजिटल टीवी, टाटा प्ले, डिश टीवी और सन डायरेक्ट शामिल हैं। सरकार ने सभी छह डीटीएच ऑपरेटर्स का ऑडिट करने को कहा है। इस तरह बिग टीवी/इंडिपेंडेंट टीवी और वीडियोकॉन के डी2एच की भी जांच होगी। इन कंपनियों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो पाया। एयरटेल डिजिटल टीवी, टाटा प्ले, डिश टीवी और सन डायरेक्ट के साथ-साथ फ्री डीटीएच प्रोवाइडर डीडी फ्री डिश के 6.8 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर हैं। फ्री डीटीएच सरकारी डीटीएच सर्विस प्रोवाइडर है। डीटीएच सर्विस प्रोवाइडर्स को अपने रेवेन्यू का एक हिस्सा लाइसेंस फीस के रूप में सरकार को देना होता है।

फंडिंग कम होने से भारत में कई स्टार्टअप खो रहे अपना यूनिकॉर्न दर्जा- रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2022 की रिपोर्ट जारी की गई। इसके मुताबिक इस साल की पहली छमाही में भारत ने 14 नए यूनिकॉर्न जोड़े जिसके साथ कुल यूनिकॉर्न की संख्या 68 हो गई लेकिन फंडिंग में कमी और लेट-स्टेज सौदों में क्रैश के कारण, भारत में कई स्टार्टअप अपनी यूनिकॉर्न स्थिति खो सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कई विशेषज्ञों ने कहा कि स्टार्ट-अप संस्थापक बाजार की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण धन जुटाने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। एक बिलियन डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाली कंपनी को भारत में यूनिकॉर्न माना जाता है। नंबर ऑफ यूनिकॉर्न के मामले में भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरे पायदान पर है।

मारुति सुजुकी अगले साल लाएगी ई20 फ्यूल गाड़ियां

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा है कि वह अब फ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स बनाने के अलावा नए सिलेंडर वाली गाड़ियां भी बनाने की योजना बना रही है। गौरतलब है कि वाहन निर्माता कंपनी ने हाल ही में 2025 में अपना पहला ऑल-इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की घोषणा की थी। इसके बाद अब कंपनी ने अगले साल 2023 तक सभी वाहनों को ई20 (20 फीसदी इथेनॉल) से तैयार करने की बारे में कहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार सभी ऑटोमोबाइल कंपनियों को अप्रैल 2023 से 20 फीसदी इथेनॉल फ्यूल पर चलने वाले इंजनों को तैयार करने पर फोकस किया है। भारत सरकार का ऐसा मानना है कि ई20 वाली गाड़ियों से देश में कार्बन के कारण बढ़ रहे प्रदूषण में कटौती होगी। सरकार का ऐसा करने के पीछे उद्देश्य है कि 2070 तक कार्बन के कारण हो रहे प्रदूषण को खत्म किया जा सके। मारुति सुजुकी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने भी कहा है कि कंपनी साल 2023 तक अपने वाहनों को ई20 से तैयार हुए फ्यूल से चलाएगी।

देश में 52 फीसदी लोगों को संपत्ति ट्रांसफर कराने देनी पड़ी रिश्वत: सर्वे

नई दिल्ली। विरासत में मिली संपत्ति को सुरक्षित करने के लिए उसका कानूनी वारिस को ट्रांसफर किया जाना जरूरी होता है। ये संपत्ति प्रॉपर्टी म्यूचुअल फंड या शेयर, ब्रोकरेज अकाउंट्स, बैंक और ज्वेलरी समेत अन्य वस्तुएं हो सकती हैं। एक सर्वे के मुताबकि देश में 52 फीसदी लोगों को संपत्ति ट्रांसफर कराने के लिए घूस देनी पड़ी है। इसमें से करीब आधे लोगों को कई जगह रिश्वत देनी पड़ी। दरअसल, भारत में संपत्ति ट्रांसफर करना एक जटिल प्रक्रिया है जिसका लाभ इस काम में लगे लोगों द्वारा उठाया जाता हैं। किसी भी मृत व्यक्ति की अगर कोई संपत्ति है तो उसे वारिस को ट्रांसफर करने के लिए कई कागजी कार्यवाहियां पूरी करनी होती हैं। अगर कोई व्यक्ति अपने पीछे एक विल छोड़कर गया है तो संपत्ति के ट्रांसफर के लिए विल की कॉपी, डेथ सर्टिफिकेट और प्रॉपर्टी के पेपर्स की जरूरत होती है। अगर कोई विल मौजूद नहीं है तो फिर दिवंगत प्रॉपर्टी मालिक के जितने कानूनी वारिस है उन्हें एक समझौते पर पहुंचना और इसके दस्तावेज जमा करने होंगे। इससे साफ पता चलता है कि देश में संपत्ति को ट्रांसफर करना आसान प्रक्रिया नहीं है। ये सर्वे लोकल सर्वे प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया गया है। इसमें कुल 26000 लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें से 48 फीसदी लोग टियर-1, 27 फीसदी लोग टियर-2 और 25 फीसदी लोग टियर 3-4 शहर व ग्रामीण इलाकों से थे। इस सर्वे में हिस्सा लेने वालों में 67 फीसदी पुरुष और 33 फीसदी महिलाएं थी।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक को मिली आईपीओ लाने की मंजूरी

नई दिल्ली। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक (को आईपीओ लाने के लिए बाजार ?नियामक सेबी से अनुमति मिल गई है। वाराणसी की इस बैंक की इस आईपीओ के जरिए 500 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। दस्तावेजों के मुताबिक इस बैंक का आईपीओ नए शेयरों के रूप में होगा। इसकी पूरी राशि उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक को मिलेगी। कंपनी प्री-आईपीओ प्लेसमेंट राउंड में 100 करोड़ रुपए तक की सुरक्षा जारी करने पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर नए इश्यू का आकार घट जाएगा। सेबी की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार कंपनी ने अगस्त में नियामक के पास नए सिरे से दस्तावेज जमा कराए थे। कंपनी को 21 अक्टूबर को इश्यू लाने के लिए मंजूरी मिली थी। किसी भी कंपनी को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी जरूरी होती है। कंपनी ने इससे पहले मार्च, 2021 में आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए थे और इसे पिछले साल जून में आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक की मंजूरी मिली थी, लेकिन वह आईपीओ नहीं ला पाई थी। इसने इस साल अगस्त में फिर से कागजात जमा किए, लेकिन आईपीओ का आकार कम कर दिया।

कंपनी ने इससे पहले मार्च, 2021 में भी 1350 करोड़ रुपए जुटाने के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए थे। उसके पिछले साल जून में आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक से मंजूरी मिली थी, लेकिन वह आईपीओ नहीं ला पाई थी। कंपनी ने इस साल अगस्त में फिर से दस्तावेज जमा किए, लेकिन आईपीओ का आकार कम कर दिया। इस बैंक का गठन 2016 में किया गया था और इसने 2017 में अपना कामकाज शुरू किया था। मार्च 2022 तक इसका कारोबार 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला था। इसकी देशभर में 686 शाखाएं हैं। इसके ज्यादातर ग्राहक बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के ग्रामीण इलाकों और कस्बों में हैं।

शरीर में फाइबर की कमी, अनेक रोगों का जनक

फाइबर की कमी पेट ही नहीं अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी खड़ी कर सकती है। फाइबर एक तरह का कार्बोहाइड्रेट ही होता है जो पेट में आसानी से नहीं पचता है। ये कार्ब्स छोटे-छोटे कणों में टूट कर शुगर के रूप शरीर में फाइबर की कमी होने पर घेरने लगते हैं ये रोग-- इन चीजों से पूरी होगी कमी शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए हमें प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स के अलावा फाइबर की जरूरत भी होती है। फाइबर कोलस्ट्रॉल और ग्लूकोज के स्तर को कम करने में मदद करता है। साथ ही यह भोजन को पाचन प्रणाली से निकलने में मदद करने के साथ-साथ जरूरी मात्रा में मल निकाल कर शरीर को स्वस्थ्य बनाता है। फाइबर की कमी पेट ही नहीं अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी खड़ी कर सकती है। फाइबर एक तरह का कार्बोहाइड्रेट ही होता है जो पेट में आसानी से नहीं पचता है। ये कार्ब्स छोटे-छोटे कणों में टूट कर शुगर के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। शरीर में फाइबर की कमी होने पर शरीर में कई लक्षण दिखाई देते हैं।

कमी के लक्षण

शरीर में फाइबर की संतुलित मात्रा होने से आपका पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। इसके अलावा कब्ज, पेट में गैस बनने की समस्या भी फाइबर की कमी से होती है।

कब्ज की समस्या-

आहार में फाइबर की कमी कब्ज का कारण बन सकती है। कब्ज होने पर व्यक्ति को मलत्याग करने में परेशानी,गैस, एसिडिटी होने लगती है। कई दिनों तक कब्ज की प्रॉब्लम बनी रहे, तो ऐसे में पाइल्स भी हो सकती है। कब्ज की समस्या होने पर फाइबर की अच्छी मात्रा वाले खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करें।

ब्लड शुगर लेवल में बदलाव-

शरीर में फाइबर की कमी होने पर शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। डायबिटीज के मरीजों में वजन बढ़ने की सबसे मुख्य वजह डाइट में फाइबर की कमी होता है। ऐसे में पर्याप्त मात्रा में फाइबरयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से व्यक्ति का वजन संतुलित बना रहने के साथ ब्लड शुगर लेवल भी ठीक रहता है।

मोटापा-

फाइबर की कमी होने पर पाचन तंत्र प्रभावित होता है। पाचन क्रिया में आने वाली रुकावटों की वजह से खाना पच नहीं पाता और धीरे-धीरे वजन बढ़ने लगता है। बढ़ता हुआ ये वजन आपको मोटापे का शिकार बना सकता है। ऐसे में फाइबर युक्त आहार का सेवन करने से आपका पेट काफी समय तक भरा रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे शरीर को फाइबर युक्त आहार को पचाने में थोड़ा अधिक समय लगता है। यही वजह है कि व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती है और उसका वजन सतुंलित बना रहता है।

बेड कोलेस्ट्रॉल-

फाइबर की कमी होने पर पाचन तंत्र ठीक से काम नहीं करता है और शरीर में फैट जमा होने लगता है। ये फैट बेड कोलेस्ट्रॉल को शरीर में जमा करने लगता है। ये संकेत फाइबर की कमी को दर्शाता है जिसे खानपान से इसे दूर कर सकते हैं।

थकान-

पाचन तंत्र पर भार बढ़ने के कारण शरीर की अधिकतर ऊर्जा खाने को पाचन करने में वेस्ट होने लगती है। जिसकी वजह से व्यक्ति को अक्सर थकान महसूस होती रहती है। पाचन तंत्र को दुरुस्त करने के लिए खीरा व अन्य फाइबर युक्त चीजें खाएं।

कमजोर पाचन तंत्र-

आहार में फाइबर की कमी होने पर पेट से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इसकी वजह से आपको पाचन तंत्र में गड़बड़ी का सामना करना पड़ सकता है। फाइबर की कमी होने पर दस्त की समस्या भी हो सकती है।

जी मिचलाने की समस्या

शरीर में फाइबर की कमी होने पर व्यक्ति को मतली या उल्टी की शिकायत भी हो सकती है। जिसकी वजह से आपको थकान का सामना भी करना पड़ सकता है।

कमी कैसे करें पूरा करें?

शरीर में फाइबर की कमी पूरा करने के लिए फाइबर युक्त आहार का सेवन करें। इसके लिए खानपान में साबुत अनाज की मात्रा बढ़ा लें। फल और सब्जियों का सेवन अधिक करें। इनके अलावा मटर, नाशपाती, ब्राउन राइस, मक्का, अलसी के बीज, फूलगोभी, पत्ता गोभी, संतरा, केला, बादाम, अंजीर, सेब, प्याज में प्रचूर मात्रा में फाइबर होता है।

स्वस्थ रहने करें हरड़ का उपयोग

स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है। यह कॉम्ब्रेटेसी परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है। इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए।

यह कफ वात व पित जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्यास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है। खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित रोग और कसैलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में सेंधा नमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए।

खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है

छोटी हर्रे का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है।

इसका चूर्ण गुड़ व गिलोथ के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है।

इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है। इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रे को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

टी .बी. के मरीज़ों को अंडा दिया जाना कितना उचित हैं ?

जिस प्रकार कोरोना के कारण फेस्टिवल ऑफर जैसे एक रोग के साथ चार रोग फ्री में मिल रहे हैं मधुमेह ,हृदय रोग ,इम्युनिटी का कम होना और सामान्य संक्रमण होना सामान्य बात हैं। इसी प्रकार मध्य- -प्रदेश में तपेदिक के रोगियों का अन्य खाद्य सामग्री के साथ अंडा भी दिया जायेगा जैसा प्रदेश के टी बी अफसर डॉक्टर वर्षा राय द्वारा बताया गया हैं .पौष्टिक भोजन में ज्वार ,दाल दूध पाउडर ,बाजरा .तेल के साथ अंडा भी दिया जाना बताया गया हैं।

यहाँ एक बात बताना होगा की अंडा किसी भी प्रकार से पौष्टिक आहार नहीं माना जाता हैं। भारत शासन के द्वारा जारी स्वास्थ्य के पौष्टिक आहार की सूची में यह बताया गया हैं कि 100 ग्राम अंडे में 14 .3 ग्राम प्रोटीन होता हैं ,और 100 ग्राम प्रोटीन के लिए कम से कम चार अंडे खाने से 100ग्राम प्रतिन मिलेगा। यानी पांच अंडे में 100 ग्राम प्रोटीन मिलेगा ,जबकि 100 ग्राम सोयाबीन में 43 .5 ग्राप्रोटीन मिलता हैं ,100 ग्राम मूंगफली में 33 ग्राम प्राटीन मिलता हैं और 100 चना में 24 ग्राम प्राटीन

मिलता हैं। अंडा खाने से कई प्रकार की बीमारियां होती हैं जैसे हृदय रोग, चर्म रोग किडनी रोग ,आंत का कैंसर आदि .अंडा खाने से प्रोटीन के साथ अन्य घातक बीमारियां भी मरीज़ों को मिलेगी। इसके स्थान पर 100 - 100 ग्राम सोयाबीन ,मूंगफली और चना को मिलाकर 300 ग्राम में 100 ग्राम प्रोटीन मिलेगा जो आर्थिक रूप से सस्ता और बिना किसी नुकसान के मरीज़ों को लाभकारी होगा। तीनों के मिश्रण की बर्फी बनाकर दिया जाय जो स्वादिष्ट के साथ रुचिकर होगी और यह आर्थिक रूप से भी सस्ता होगी।पांच अण्डों की कीमत लगभग पचास रूपया होगी जबकि 100 ग्राम सोयाबीन 5 रूपया .100 ग्राम मूंगफली 10 रूपया और 100 ग्राम चना 10 रूपया इस प्रकार 25 रूपया में 100 ग्राम प्रोटीन वो भी सुरक्षित और पौष्टिक होगा जबकि अंडा खाओ और हृदय ,किडनी कैंसर जैसे रोग बुलाओ। अंडा सभी मरीज़ों को मान्य नहीं होगा कारण कुछ लोग अंडा को मांसाहार मानते हैं और जो अंडा को शाकाहार मानते हैं उन्हें अपने इष्ट भगवान को अंडे का भोग लगाना चाहिए और नारियल के स्थान पर अंडा रखना चाहिए। सरकार शाकाहार को बढ़ावा देने का वादा करती हैं और कर्मचारी अण्डों का उपयोग मरीज़ों को देने में करते हैं यह कितना सही होगा। अंडा को टीबी के मरीज़ों को देना सुरक्षित नहीं हैं।

सेब रखेगा सेहतमंद

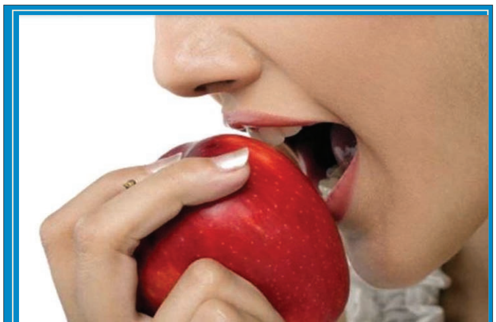

सेब खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। कुछ लोग सेब को छिलकर खाना पंसद करते है लेकिन इससे सेब के सारे जरूरी न्यूट्रिन निकल जाते है। सेब को छिलकर खाने की बजाएं छिलके समेत खाने से आपकी कई बीमारियां दूर हो सकती है और यह खाने में भी टेस्टी लगता है। आइए जानते है सेब को छिलके समेत खाने से शरीर को क्या फायदे होते है।

ब्लड शुगर

डायबिटिज का समस्यां वाले लोगों को सेब छिलके समेत खाना चाहिए। इसे ऐसे खाने से शुगर कंट्रोल में रहती है।

ब्रेन सेल

सेब को बिना छिले खाने से आपके ब्रेन सेल डैमेज नहीं होते है। इसके अलावा इसे ऐसे खाने से दिमाग भी तेज होता है।

आंखों में कैटरेक्ट

सेब का छिलका आपको आंखों में होने वाली कैटरेक्ट की बीमारी से बचाता है। नियमित सेब खाने से आपको यह बीमारी नहीं होती है।

पित्ते की पत्थरी

फाइबर के गुणों से भरपूर सेब का छिलका पित्त की थैली में जमा कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको स्टोन प्रॉब्लम से बचाता है।

दातों में सड़न

सेब का छिलका दातों में कैवटी को होने से रोकता है। इसके अलावा प्रैग्नेंसी में इसका सेवन करने से खून की कमी पूरी होती है।

कैंसर

कैल्शियम, इंजाइम, एंटी ऑक्सीडेंट और प्लेविनाइड के गुणों से भरपूर सेब का छिलका मोटापे को दूर करने के साथ-साथ लीवर, ब्रेस्ट और कोलोन कैंसर से बचाता है।

बदलते मौसम में रखें दिल का ख्याल

मौसम बदल रहा है, बरसात के बाद अब सर्दियां करीब हैं। इस मौसम में उन लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है, जो दिल और फेफड़ों के रोगों से पीड़ित होते हैं। इस मौसम में ऐसे मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगती है। बदलते मौसम और सर्दियों में आलस की वजह से अक्सर लोग अपने शरीर को तंदुरुस्त रखने पर ध्यान नहीं देते। इस मौसम में काफी मात्रा में दिल के रोगियों की संख्या में इजाफा होता है।

अचानक से मौसम में आए ठंडे बदलावों के चलते मौसम की वजह से दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं। ऐसा होने से दिल में खून और ऑक्सीजन का प्रवाह कम हो जाता है। इसी वजह से हाइपरटेंशन और दिल के मरीजों में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। ठंडे मौसम में ब्लड प्लेट्लेट्स ज्यादा सक्रिय और चिपचिपे होते हैं, इसलिए रक्त के थक्के जमने की आशंका भी बढ़ जाती है।÷

सर्दियों में सीने का दर्द और दिल के दौरे का जोखिम बढ़ जाता है। सर्दियों में धूप हल्की और कम निकलने के कारण मानव शरीर में विटामिन %डी% की कमी भी हो जाती है। ऐसे में इस्केमिक हार्ट डिसीज, कंजस्टिव हार्ट फेल्योर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सर्दियों में दिन छोटे हो जाते हैं और लोग भी ज्यादा समय घर के अंदर ही बिताते हैं, इसलिए विटामिन %डी% की कमी ज्यादा होती है।

बदलते मौसम में अक्सर बड़ी उम्र के लोगों में अवसाद बढ़ जाता है। इससे तनाव बढ़ता है और हाइपरटेंशन होने से, पहले से कमजोर दिल पर और दबाव पड़ जाता है। सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग ज्यादा चीनी, ट्रांसफैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं, जो मोटापे, दिल के रोगों और हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए यह बहुत ही खतरनाक हो सकता है। इस मौसम में शरीर को गर्मी प्रदान करने के लिए दिल ज्यादा जोर से काम करने लगता है और रक्त धमनियां और सख्त हो जाती हैं। ये सब चीजें मिलकर हार्ट अटैक को बुलावा देती हैं।

उम्रदराज और उन लोगों को, जिन्हें पहले से दिल की समस्याएं हैं, छाती में असहजता, पसीना आना, जबड़े, कंधे, गर्दन और बाजू में दर्द के साथ ही सांस

फूलने की समस्या बढ़ जाती है। सर्दियों में ऐसे तकलीफों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उनकी सलाह है कि नियमित रूप से व्यायाम करें और संतुलित व पौष्टिक भोजन लें, ताकि इन समस्याओं से बचा जा सके। इस मौसम में अगर आपके रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) में कोई असामान्य बदलाव नजर आए, तो दिल को सुरक्षित रखने के ख्याल से तुरंत अपने डॉक्टर की सलाह लें।

तानाशाहों को अपनों का भी विरोध स्वीकार नहीं

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की बैठक में जिस तरह से पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ को बैठक से हाथ पकड़ कर बाहर निकाला गया। इसी तरह चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग को सेंट्रल कमेटी से हटा दिया गया। बंद कमरे में हुई, इस बैठक में राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तीसरी बार राष्ट्रपति बनाए जाने पर चर्चा होनी थी। बैठक में उपस्थित सदस्यों में शी-जिनपिंग को तीसरा कार्यकाल देने की सहमति बनी हुई थी। उसके बाद भी विरोध का 1 स्वर भी शी-जिनपिंग बर्दाश्त नहीं कर सके। कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी में केवल दो-तीन लोग ही विरोध कर रहे थे। बहुमत शी जिनपिंग के साथ था। इसके बाद भी जिस तरह से पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ को हटाने के लिए बैठक के अंदर सियासी ड्रामा हुआ।उससे सारी दुनिया हतप्रभ है। हटाए गए दोनों व्यक्ति चीन के मुख्य नेतृत्व वाली सेंट्रल कमेटी के वरिष्ठतम सदस्य थे। राष्ट्रपति जिनपिंग के बाद दूसरे नंबर पर आने वाले चीनी प्रधानमंत्री, पार्टी की भूमिका से अब पूरी तरह से रिटायर कर दिए गए हैं। शी जिनपिंग का उन्हें मुख्य प्रतिद्वंदी माना जा रहा था। पार्टी की नवनिर्वाचित एवं सबसे शक्तिशाली 7 सदस्य वाली पोलित ब्यूरो की स्थाई समिति में भी उन्हें जगह नहीं दी गई है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) द्वारा शनिवार को केंद्रीय समिति के 205 नए सदस्यों की सूची जारी की है। उसमें भी उनका नाम नहीं रखा गया है। शी-जिनपिंग इस बैठक के बाद चीन के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रपति और तानाशाह के रूप में स्थापित हो गए हैं। पूरी पार्टी पर उनका कब्जा हो गया है। विरोध के कोई स्वर अब पार्टी और सरकार के स्तर पर नहीं होंगे। यहां यह उल्लेख करना जरूरी है, कि कुछ दिनों पहले राष्ट्प?ति शी-जिनपिंग की गिरफ्तारी की खबरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में देखने को मिली थी। उसके बाद से ही यह सियासी ड्रामा बढ़ता चला गया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पार्टी के अंदर शक्तिशाली होने के बाद भी विरोध के स्वर को जिस तरीके से दबाया गया है। उससे पार्टी के अंदर की तानाशाही बढी है। उसमें कभी भी बड़ा विस्फोट हो सकता है। निश्चित रूप से शी जिनपिंग अब मनमाने तौर पर अपने निर्णय करेंगे। बैठक से जो संदेश गया है, विरोध करने वालों को पार्टी एवं सत्ता से अलग कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में अब शी जिनपिंग चीन के ऐसे राष्ट्रपति बन गए हैं। जिनके सामने कोई भी चुनौती देने की स्थिति में नहीं होगा।चीन के लिए यह स्थिति ठीक भी मानी जा सकती है। लेकिन वैश्विक स्तर पर इसके सबसे बड़े खतरे अब सामने देखने को मिल सकते हैं। अमेरिका और चीन के बीच में पहले से ही परमाणु हथियारों के विस्तार को लेकर तलखी बनी हुई है।चीन ने एशियाई देशों में बड़े पैमाने पर कर्ज बांटा हुआ है। हांगकांग के साथ विवाद चल ही रहा है। चीन अपनी जमीन पर आधारित इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों क़ी पनडुब्बी एवं हवा से लांचिंग की गई है। जिस तरह की स्थितियां सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। उसमें अब शी जिनपिंग की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है। चीन में अब उनके ऊपर कोई अंकुश नहीं रहा। आगे चलकर वह किस तरीके से चीन को आगे बढ़ाएंगे। वैश्विक स्तर पर इसका क्या असर होगा।इसको लेकर सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ गई है। देखा जाए तो लोकतांत्रिक एवं मिश्रित लोकतांत्रिक व्यवस्था के बाद, एक बार फिर तानाशाही एवं राजतंत्र जैसी व्यवस्थाएं बड़ी तेजी के साथ दु?निया के देशों में देखने को मिल रही हैं। विशेष रूप से दुनिया की जो महाशक्तियां हैं।उनमें तानाशाही की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है।

पढ़े-लिखे केरल में नरबलि और टोना-टोटका

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

रोंगटे खड़े कर देने वाली दो वीभत्स घटनाओं के कारण अक्टूबर 2022 को याद रखा जाएगा। विश्वास करना कठिन है कि इस जमाने में भी लोग जादु-टोना, टोटका, काला जादू और अंधविश्वास में इस बुरी तरह जकड़े हो सकते हैं। गुजरात के गिर सोमनाथ धावा गांव के भावेश अकबरी को धन और पुत्र प्राप्ति की लालसा में अपनी ही 14 साल की बेटी धैर्या की बलि देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भावेश ने यह बलि नवरात्र अष्टमी की रात दी थी। अभी स्पष्ट नहीं हो सकता है कि उसने किस तांत्रिक की सलाह पर यह काम किया। दूसरी खबर, देश में सर्वाधिक साक्षरता वाले राज्य केरल से आई है। तिरूवल्ला में आर्थिक रूप से परेशान आयुर्वेद डाक्टर दंपति और एक तांत्रिक को पुलिस ने दो महिलाओं की बलि देने और उनके शव के टुकड़े पका कर खाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक महिला की हत्या 6 जून और दूसरी की 26 सितम्बर को की गई थी। तांत्रिक ने डाक्टर दंपति से कहा था कि बलि देने से उनके घर में धन-वैभव आने लगेगा और मानव मांस खाने से वे हमेशा जवान रहेंगे। इन दोनों मामलों ने हिला कर रख दिया है। केरल पुलिस राज्य में हाल के वर्षों में लापता हुए अन्य लोगों की फाइलें एक बार फिर से देख रही है। पुलिस जानना चाह रही है कि तांत्रिक मोहम्मद शफी ने और कितनी महिलाओं या पुरूषों को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस कमीश्नर सी.एच. नागराजू के अनुसार इस बात की जांच की भी जा रही है कि क्या तांत्रिक मोहम्मद शफी महिलाओं का यौन शोषण करता था। शफी के खिलाफ लगभग आठ आपराधिक मामले पहले से दर्ज बताए गए हैं इनमें से एक मामला 75 साल की एक वृद्धा पर नृशंस तरीके से यौन हमला और उसकी हत्या के प्रयास का है। गिरफ्तार आयुर्वेद डाक्टर भगवाल सिंह एक दशक पहले तक माकपा का कार्यकर्ता रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार साक्षरता के प्रसार के बावजूद केरल में अंध विश्वास की जड़ें गहराई तक जमी मिल जाती हैं। टोना-टोटका, काला जादू, तंत्र-मंत्र और अंध विश्वास का लोगों पर गहरे प्रभाव को देखते हुए वहां इनके खिलाफ कानून बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। 2019 में कर्नाटक और महाराष्ट्र की तर्ज पर केरल प्रिवेंशन ऑफ इरेडिकेशन ऑफ इनह्यूमन प्रैक्टिस, टोना-टोटका और काला जादू विधेयक तैयार किया गया लेकिन इस विधानसभा में पेश ही नहीं किया गया। तंत्र-मंत्र और जादू-टोने के खिलाफ सात साल तक के कारावास का प्रावधान विधेयक में रखा गया है। सरकार के सामने मुश्किल यह है कि वह अंध विश्वास की परिभाषा तय नहीं कर पा रही। सरकार चलाने वाले लोगों को आशंका है कि ऐसा कोई कदम धर्म के विरूद्ध ना मान लिया जाए। जाहिर है कि वोट बैंक खिसकने की आशंका कानून बनने की राह में रोड़ा है। केरल में लोगों को आश्चर्य है कि नास्तिक होने और सिर्फ विज्ञान पर भरोसे का डंका पींने वाले कम्युनिस्टों की सरकार क्यों इससे बच रही है। आजादी के बाद से अब तक केरल में नरबलि के पौन दर्जन मामले सामने आ चुके है। इसे मामूली संख्या मानना सही नहीं होगा। इन मामलों में कुछ ऐसे हैं जहां नरबलि जैसा क्रूर कदम उठाने की जो वजह सामने आई वह चौंकाने वाली रही। अभी गत वर्ष एक महिला ने अपने ही बच्चे की बलि चढ़ा दी थी। 1983 में मां-बेटे ने शिक्षक की बलि देने का प्रयास किया था। लगभग 66 साल पहले केरल में बीमार हाथी के लिए अपने जिगरी दोस्त की बलि दे दी थी। तंत्र-मंत्र, टोना-टोटके , काला जादू और इनसे जुड़े अंधविश्वास की समस्या केरल तक सीमित नहीं है। देशभर से इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। चौंकाने वाली बात है कि सम्पन्न और शिक्षित वर्ग के लोगों तक को अंधविश्वास में उलझा देखा जाता है। लगभग चार दशक पूर्व का एक प्रसंग याद आ रहा है। आदिवासी बहुल मंडला जिले के सुदूरवर्ती गांव में जाने का अवसर मिला

था। बहुत ही सीधे-सादे और भोले ग्रामीणों के साथ कुछ समय रहा। एक रात मेरे सम्मान में गैस बत्ती की रोशनी में एक मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वहां एक युंवती टकटकी लगाए मेरी ओर देख रही थी। सम्भवत- एक अन्य दुनिया का आदमी समझ कर उसमें कोई उत्सुकता रही हो। मेरी नजर भी एकाध बार उसपर पड़ी। तभी मेजबान में फुसफुसाकर आगाह किया- टोहनी है वह, उसकी ओर मत देखो। मैं टोहनी का मतलब जानता ही था। कोई जवाब नहीं दिया लेकिन सच यह है कि उस चेतावनी पर बड़ा आश्चर्य हुआ। हमारे यहां ग्रामीण क्षेत्रों में टोना-टोटके, टोहनी जैसे शब्द खूब कहे-सुने जाते हैं। लोग इनसे बचते और डरते हैं। अखबारों में अक्सर इनसे जुड़ी खबरें प्रकाशित होती रहती हैं। याद करें, हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों से आई उन खबरों को जिनमे बताया गया था कि कुछ लोगों ने टोहनी होने के संदेह में किसी महिला का किस हद तक मान-मर्दन किया। कैसे तांत्रिक होने के संदेह में किसी पुरूष की हत्या कर दी गई या उस का गांव/बस्ती में रहना मुश्किल कर दिया गया। इसी वर्ष मनेंद्रगढ़ के एक गांव में टोनही होने के संदेह में एक महिला की हत्या की जा चुकी है। 2021 पत्थलगांव में जादू-टोना करने के संदेह में एक दम्पति की हत्या कर दी गई थी। गत दिवस बालाघाट में झाड़-फूंक के नाम पर की गई पिटाई से महिला की मौत पर दो तांत्रिकों को गिरफ्तार किया गया है। टोहनी होने का आरोप लगाते हुए महिलाओं को नग्न या अर्द्धनग्नावस्था में गांव भर में घुमाये जाने के कितने ही मामले पिछले दो दशकों में प्रकाश में आ चुके हैं। जादू-टोना और अंधविश्वास के उदाहरण विकसित और सम्पन्न देशों से भी सामने आते रहे हैं। विकासशील और गरीब देशों में इनकी संख्या अवश्य कुछ ज्यादा कही जा सकती है। इसकी वजह लोगों के जीवन में समस्याओं के अंबार, चुनौतियों से निबटने के लिए शार्टकट रास्तों की तलाश और बालावस्था से अंधविश्वास भरे माहौल को माना जा सकता है। अंधविश्वास के कुछ नमूने आए दिन देखने को मिलते हैं, जैसे-काली बिल्ली का मकान की छत पर आ बोलना, बिल्ली का रास्ता काट देना, कुत्ते का रोना इत्यादि। इनके अलावा हथेली में खुजली को धन आने का संकेत मानना, नेवला दिखने पर भाग्यशाली होने का भ्रम, निवास के ऊपर कौआ बोले तो मेहमान के आगमन का संकेत कहा जाता है। महानगरों की पॉश कालोनियों तक में कई बार सुबह मार्निंग वॉक पर निकलने पर चौराहों पर नीबू के टुकड़े, सिंदूर और चूड़ियां, सिंदूर लगा काला कपड़ा और काली हांडी रखे या पड़े मिलते हैं। कौन यह सब करता है और मकसद क्या होता है? नया वाहन खरीदने पर उसकी पूजा को अंधविश्वास की श्रेणी में रखा जा सकता है। इससे होता क्या है? पिछले दिनों सोशल मीडिया में एक वीडियो देखा जिसमें एक गैर-हिंदू को नये वाहन की पूजा करते दिखाया गया है। किसी ने कटाक्ष किया, क्या ये लोग माइलेज बढ़ाने के लिए पूजा करवाते हैं? हॉरर कथा लेखक स्टीफन किंग के विचार पढ़ने को मिले। वह कहते हैं, प्रेत्माता, दुष्टात्मा और पिशाच वास्तव में होते हैं लेकिन हमारे अंदर। कई बार वो हमसे जीत जाते हैं। किंग का अभिप्राय स्वयं को नकारात्मकता से दूर रखने का है। कहते भी हैं-भय के भूत से बचकर रहना चाहिए।

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अत- स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था।

卐भाईदूज का उपहार卐

माँ इस बार मैं आपकी नहीं सुनूँगा, दीदी की शादी को तीन साल हो गए! इस बार भाईदूज मैं दीदी के घर ही मनाऊँगा। तुम हर बार मुझे ये कहकर रोक देती हो की बेटियों के घर बार-बार नहीं जाना चाहिए, कह कर रोहित संजना के घर जाने की तैयारी करने लगा। इस बार कल्याणी ने भी नहीं रोका, बोली ठीक है हो आओ बहुत दिनों से संजू भी नहीं आई उसे भी अच्छा लगेगा।

जी माँ दी का घर दूर कहाँ, महज़ दो घंटे का रास्ता तो है सुबह जाऊँगा रात को लौट आऊँगा। कल्याणी ने बेटी और दामाद के लिए कुछ तोहफ़े और मिठाईयाँ दी साथ में, वो लेकर रोहित निकल गया। अचानक जाकर खुशी-खुशी बहन को सरप्राइज़ देना चाहता था तो बिना कोई खबर दिए ही चल निकला।

रास्ते में रोहित को संजना के साथ बिताए बचपन के एक-एक पल याद आ रहे थे। सिर्फ़ दो साल ही बड़ी थी दीदी, पर माँ जितना खयाल रखती थी। मेरी हर छोटी मोटी जरूरत का खयाल दी ने रखा, परिक्षा के दिनों में जब रात भर मैं पढाई करता था तो दी उठ-उठ कर चाय बना देती थी, नास्ता बना देती थी।

मेरी गलती खुद के सर लेकर माँ से डांट भी खाती थी। उसके ससुराल चले जाने के बाद तो मानों मेरा जीवन नीरस और शांत हो गया है। बहुत प्यारी है मेरी दी भगवान उसे हंमेशा खुश रखना। यूँ खयालों में दो घंटे कहाँ बीत गए पता नहीं चला बस से उतरकर ऑटो ले ली संजना का घर ज़्यादा दूर नहीं था। ऑटो वाले को पैसे देकर रोहित संजना के घर पहूँचा। जो खुद सरप्राइज़ देने वाला था वो खुद सरप्राइज़ हो गया। घर की दहलीज़ पर कदम रखते ही कदमों में रोती हुई संजना को पाया। संजना के पति ने संजना के गाल पर ज़ोरदार थप्पड़ रशीद कर दी ये कहते हुए की दो साल से तुझे बोल रहा हूँ तेरी माँ को बोल मुझे बाइक के लिए 50 हज़ार दें, पर तू है की तुझे मेरी कोई परवाह ही नहीं। तेरी माँ क्या उपर सब साथ में लेकर जाएगी? एक ही तो दामाद हूँ माँ-बेटी से इतना भी नहीं होता मेरे लिए। रोहित अपनी दीदी को इस हालत में देखकर हैरान रह गया। विशाल का ये रुप भी

था उसे विश्वास नहीं हुआ। विशाल ने ना रोहित का आदर सत्कार किया, ना एक नज़र देखा भी बस गुस्से में तिलमिलाता घर से बाहर निकल गया। और संजना इतना कुछ भुगत रही थी उसने आज तक कभी भनक तक नहीं पड़ने दी अपनी बहन की हालत देखकर रोहित भीतर से हिल गया। रोहित ने संजना को प्यार से उठाया और चलो दीदी घर चलो कहकर आँसू पौंछे। संजना रोहित से लिपटकर फूट-फूटकर रोने लगी और बोली भाई तू चला जा मेरी किस्मत में यही सब लिखा है, विशाल का स्वभाव बहुत खराब है आए दिन हाथ उठाना और ताने देना उसकी आदत बन गई है। अब मुझे इन सबकी आदत हो गई है।

पर एक भाई अपनी बहन को इस हालत में कैसे देख सकता। प्यार से बहन को उठाकर गले लगाया और आँसू पौंछते बोला, दीदी अभी तुम्हारा भाई ज़िंदा है अभी के अभी अपना सामान पैक करो और चलो मेरे साथ÷ इस नर्क में तड़पते जीने की कोई जरूरत नहीं।

संजना ने बहुत समझाया पर रोहित ने अपनी कसम देकर अपनी बहन को मना लिया। दोनों भाई-बहन घर आ गए और अपनी माँ को सारी बात बताई। एक विधवा माँ के उपर आसमान टूट पड़ा, बेटी को इस हालत में देखकर कुछ सूझ नहीं रहा क्या करें तो माँ ने कहा मेरी सोने की दो चूड़ी पड़ी है बेचकर दामाद जी को दे दो ताकि संजना का संसार बना रहे। पर रोहित ने साफ़ मना कर दिया और बोला माँ आज अगर उनकी मांग के सामने झुक गए तो कल को कुछ और मांगेंगे, कब तक हम सब बेच बेचकर उनका घर भरते रहेंगे। ÷अगर उनको ये रिश्ता बचाना है तो दीदी को सम्मान से रखना होगा÷ हमारी हैसियत को समझते नाजायज़ मांग को वापस लेना होगा या तो तलाक देकर इस रिश्ते को खत्म करना होगा। मैं ना दहेज़ देने के हक में हूँ, ना लेने के! मैं अभी पहले पुलिस स्टेशन जाकर दीदी को प्रताड़ित करने के लिए और दहेज की मांग करने के जुर्म में जीजू के ख़िलाफ़ फ़रियाद लिखवाने जा रहा हूँ, और महेश चाचा का बेटा विकास जो वकील है उससे मिलकर आगे क्या करना है उसके लिए मशवरा करने जाता हूँ।

वसुंधरा समर्थकों के घर वापसी पर लगी रोक

सूडोकु नवताल- 6233

★★★✯☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6232 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव होने में करीबन एक साल का समय बाकी रह गया है। चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता अब चुनावी मैदान में आकर लोगों से जन संपर्क करना शुरू कर दिया है। मगर राजस्थान में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस व मुख्य विपक्षी दल भाजपा में बड़े नेताओं की लड़ाई मिटने का नाम नहीं ले रही है। जिससे दोनों ही बड़े दलों का चुनावी अभियान भी प्रभावित हो रहा है। राजस्थान कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जहां अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपने पूरे दाव पेच आजमा रहे हैं। वही उनके विरोधी पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट कांग्रेस आलाकमान के भरोसे मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं।

भाजपा की स्थिति तो कांग्रेस से भी अधिक खराब है। जहां कांग्रेस में गहलोत व पायलट के दो ही खेमे है। वहीं भाजपा में तो हर बड़े नेता का अपना खेमा है। आपसी गुटबाजी को मिटाने के लिए भाजपा के बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महासचिव बीएल संतोष लगातार राजस्थान का दौरा कर पार्टी के सभी नेताओं को एकजुट करने का प्रयास करते हैं। मगर जैसे ही दिल्ली से आए बड़े नेता राजस्थान से बाहर निकलते हैं। उसके तुरंत बाद ही प्रदेश भाजपा के नेता फिर से एक दूसरे की टांग खिंचाई में लग जाते हैं। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया आज भी खुद के मुख्यमंत्री होने का भ्रम पाले हुए हैं। उनका व्यवहार

पूर्व मुख्यमंत्री का न होकर आज भी मुख्यमंत्री की तरह का ही रहता है। वसुंधरा राजे मानती है कि राजस्थान में भाजपा की सबसे बड़ी नेता वही है। उनके बिना कभी भी प्रदेश में भाजपा की सरकार नहीं बन सकती है। एक समय था जब राजस्थान में वसुंधरा का मतलब ही भाजपा होता था। मगर अब समय पूरी तरह से बदल चुका है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा में क्षेत्रीय नेता कमजोर पड़े हैं। वहीं केंद्रीय नेतृत्व मजबूत हुआ है। आज भाजपा में सारे फैसले मोदी, शाह, नड्डा करते है। दिल्ली आलाकमान का फरमान ही भाजपा में कानून माना जाता है जिसे सभी मानने को बाध्य होते हैं। राजस्थान को लेकर भी भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की सोच कुछ ऐसी ही मानी जाती है। मोदी, शाह की जोड़ी ने 2018 के विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे को पूरा फ्री हैंड दिया था तथा उनको ही नेता प्रोजेक्ट कर राजस्थान विधानसभा का चुनाव लड़ा गया था। मगर उस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धुआंधार प्रचार के बावजूद भाजपा चुनाव हार गई थी।

उस समय वसुंधरा राजे का सबसे अधिक विरोध उनके ही राजपूत समाज द्वारा किया गया था। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं में वसुंधरा राजे की उपस्थिति के दौरान ही जनता द्वारा वसुंधरा के खिलाफ नारेबाजी की जाती थी कि मोदी तुझसे बैर नहीं वसुंधरा तेरी खैर नहीं। और उस समय प्रदेश की जनता द्वारा वसुंधरा राजे के खिलाफ की गई नारेबाजी शत प्रतिशत सही भी साबित हुई थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा जहां 163 से 73 सीटों पर सिमट गई थी। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा लगातार दूसरी बार सभी 25 लोकसभा जीतने में सफल रही थी। उस समय के चुनाव परिणामों से भी वसुंधरा का विरोध जाहिर हो जाता है। विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा आलाकमान ने वसुंधरा राजे को राजस्थान की राजनीति से दूर कर उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया था। राजस्थान में वसुंधरा विरोधी धड़े के डा. सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष व गुलाबचंद कटारिया को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने के बावजूद वसुंधरा राजे का मन दिल्ली में नहीं लगा और वह लगातार राजस्थान में ही सक्रिय रहने का प्रयास करने लगी। समय-समय पर वसुंधरा राजे गुट के नेताओं ने उनके पक्ष में अभियान चलाकर उन्हें राजस्थान में नेता प्रोजेक्ट करने की मांग भी करते रहे। मगर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष पूनिया व उनकी टीम को काम करने के लिए फ्री हैंड दे दिया।

सुनाकः अद्वितीय ब्रिटिश महानायक

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ऋषि सुनाक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए, यह ब्रिटेन की ही नहीं, विश्व की अद्वितीय घटना है। अद्वितीय इसलिए कि जो भारत ब्रिटेन का लगभग दो सदियों तक गुलाम रहा, उसका प्रधानमंत्री एक ऐसा आदमी बन गया है, जो इसी भारतीय मूल का है। ब्रिटेन पर अब कोई भारतीय शासन करेगा, आजादी के 75 वें साल में भारत को इससे बढ़िया तोहफा क्या मिल सकता है? दुनिया में श्वेतांग राष्टों के अग्रणी राष्ट, ब्रिटेन का यह व्यक्ति पहला अश्वेत प्रधानमंत्री है। इस मामले में सुनाक की तुलना हम बाराक ओबामा से कर सकते हैं, जो अमेरिका जैसे सबसे बड़े श्वेतांगों के देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। कोई आश्चर्य नहीं कि अमेरिका का भी अगला राष्ट्रपति कोई भारतीय मूल का व्यक्ति ही बन जाए। उप-राष्ट्रपति तक कमला हैरिस पहुंच ही चुकी हैं। मैंने लगभग 20 साल पहले अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के हॉल में भाषण देते हुए कहा था कि अगले दो-ढाई दशक में कोई भारतीय मूल का व्यक्ति ही अमेरिका का राष्ट्रपति बनकर रहेगा। यह आशा सुनाक के ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने पर अधिक प्रबल हो गई है। जब सुनाक कुछ हफ्तों पहले लिज़ ट्रस के मुकाबले प्रधानमंत्री पद का चुनाव हार गए थे, तब हमें ऐसा लग रहा था कि सत्तारुढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के ज्यादातर गोरे सदस्यों पर रंगभेद का दुर्भाव सवार हो गया है। सुनाक के सुयोग्य और साहसी होते हुए लिज ट्रस के मुकाबले उनको सिर्फ इसीलिए हारना पड़ा है कि वे अंग्रेज नहीं हैं, मूलतः भारतीय हैं, वे ईसाई नहीं हैं, मूलतः हिंदू हैं। बोरिस जॉनसन की सरकार भी उनके इस्तीफे के बाद ही गिरने लगी थी, फिर भी वे प्रधानमंत्री नहीं बन सके लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी के बहुसंख्यक गौरांग सदस्यों ने इस बार सुनाक के पक्ष में इतना खुला समर्थन प्रगट कर दिया कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ना ही नहीं पड़ा। उनके दोनों प्रतिद्वद्वियों ने, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री जॉनसन भी थे, चुनाव के पहले ही अपनी हार मान ली। दूसरे शब्दों में सुनाक निर्विरोध चुने गए विशिष्ट प्रधानमंत्री हैं। उनका प्रधानमंत्री बनना प्रतिद्वंदी लेबर पार्टी के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि जॉनसन और ट्रस को टक्कर देना उसके लिए काफी आसान रहता लेकिन सुनाक को हराना आसान नहीं है। अगले चुनाव दो साल के अंदर ही होनेवाले है। इस बीच सुनाक की पूरी कोशिश होगी कि जैसे वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने कोरोना काल में सराहनीय कार्य करके दिखाया, वैसा ही प्रदर्शन अब इस अल्पावधि में उन्हें करके दिखाना होगा। जॉनसन और ट्रस ने ब्रिटिश अर्थ-व्यवस्था को लगड़ा करके छोड़ दिया है। सुनाक के सामने ब्रिटेन में वैसी ही चुनौतियां हैं, जैसी शाहबाज़ शरीफ के सामने पाकिस्तान में है।

धूमधाम से मना रोशनी का महापर्व दीपावली

-रात तक चलते रहे पूजन, जमकर हुई आतिशबाजी

मुरैना। उत्सवों का उत्सव दीपावली पर्व मुरैना जिले भर में हर्षोल्लास से मनाया गया। दीपावली पर्व पर लोगों ने लक्ष्मी जी का पूजन कर दीप जलाए और जमकर आतिशबाजी की। सुबह से ही बाजारों में चहल पहल रही। लोग एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते रहे। उधर दीपावली पर शहर में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहे और पुलिस का कड़ा पहरा रहा। दीपावली पर्व पर सोमवार को सुबह से ही शहरवासियों में एक उत्साह का माहौल देखा गया। शहरवासी सुबह से ही लक्ष्मीजी के पूजन के लिए अपनी दुकानों, मकानों की सफाई करते देखे गए। सुबह से ही शहर में ठेले वाले अशोक के पत्ते, माला आदि लेकर खड़े हो गए थे। लोगों ने पत्ते, फूल आदि खरीदकर दुकानों, मकानों पर सजाए। लोगों ने अपनी दुकानों, मकानों और ऑफिसों में लक्ष्मी जी का पूजन पूरे विधि-विधान से किया। सबसे ज्यादा भीड़ मिठाई, ड्राय फ्रूट, फलों के ठेले पर रही। लोगों ने इनकी खूब खरीददारी की। इसके अलावा आतिशबाजी बाजार में भी जमकर खरीददारी की और देर रात्रि तक आतिशवाजी की गूंज बाजारों में सुनाई देती रही। वहीं लोग एक-दूसरे को बधाई देते हुए भी देखे गए। लोगों ने एसएमएस, फोन से भी एक-दूसरे को बधाई दी। उधर दीपावली पर शहर में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहे। पुलिस ने खरीददारों की लंबी भीड़ को देखते हुए शहरभर में कड़ा पहरा लगा कर सघन गश्त बाजारों में की, ताकि कोई भी अपराध घटित न हो सके।

-फूलों से सजे घर-द्वार

दीपावली के पावन पर्व पर लाखों क्विंटल फूलों से घर दरबार सजाए गए। सर्वाधिक बिक्री गेंदा के फूलों की हुई। घर के दरवाजों एवं व्यवसायिक

प्रतिष्ठानों पर लोगों ने गेंदा के फूलों से सजावट कर दीपावली पर्व को सुगंधित कर दिया। फूलों की महक ने दीपावली पर्व पर लोगों के जीवन को महकाया।

साढे तीन दिन के लिए मयूरवन में आज पधारेगें द्वारिकाधीश

मुरैना। साढे तीन दिन के लिए द्वारिकाधीश आज बुधवार को मुरैना गांव में पधारेगें। इस अवसर पर उनके स्वागत में भक्तों के साथ चल समारोह का प्रबंध किया गया है, जो गांव की सभी गलियों से होते हुए दाऊजी मंदिर पर संपन्न होगा। ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण साढे तीन दिन के लिए द्वारिकाधीश मंदिर गुजरात से मुरैना गांव स्थित दाऊजी मंदिर में पधारते हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर की सह अध्यक्षता में कृषि वानिकी के संबंध में 7वीं आसियान-भारत मंत्री स्तरीय बैठक आयोजित

जनस्वास्थ्य व पोषण के लिए पोषक-अनाज के उत्पादों को बढ़ावा देगा भारत -.

गौरब शर्मा मुरैना 26 अक्टूबर 2022/ कृषि एवं वानिकी के संबंध में 7वीं आसियान-भारत मंत्री स्तरीय बैठक(एआईएमएमएएफ) आज वर्चुअल रूप से आयोजित की गई। बैठक की सह अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने की। बैठक में ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पी डी आर, मलेशिया,म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के कृषि मंत्रियों ने भी भाग लिया।केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने बैठक के दौरान अपने प्रारंभिक संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस विज़न कोदोहराया, जिसमें भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में आसियान को केंद्र बिंदु में रखा गया है तथा उन्होंने क्षेत्र में टिकाऊ एवंसमावेशी विकास सुनिश्चित करने हेतु, कृषि विकास के लिए आसियान के साथ परस्पर घनिष्ठ क्षेत्रीय सहयोग पर जोरदिया। श्री तोमर ने पोषक खाद्य के रूप में मिलेट (पोषक-अनाज) तथा अंतरराष्ट्रीय पोषक-अनाज वर्ष 2023 के महत्व काउल्लेख करते हुए आसियान सदस्य देशों से आग्रह किया कि वे मिलेट के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं उपभोगको बढ़ाने में भारत के प्रयासों में सहयोग करें। श्री तोमर ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए पोषक-अनाजके उत्पादों को भारत बढ़ावा देगा। पोषक-अनाज पौष्टिक, कम संसाधन आवश्यकता वाले व अधिक अनुकूल कृषि-खाद्यप्रणालियों के सृजन में सहायक होते हैं।बैठक में, आसियान-भारत सहयोग की मध्यावधि कार्ययोजना (वर्ष 2021 2025) के तहत विभिन्न कार्यक्रमों तथागतिविधियों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में आसियान-भारत संबंधों की 30वीं वर्षगांठ का भीस्वागत किया गया। बैठक में, कृषि एवं वानिकी में आसियान-भारत सहयोग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। बैठक में कहागया कि आसियान और भारत में सुरक्षित तथा पौष्टिक कृषि उत्पादों का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करके कोविड-19महामारी के अभूतपूर्व असर को समाप्त करने के लिए, महामारी के बाद किए जाने वाले रिकवरी उपायों के कार्यान्वयनहेतु आसियान-भारत सहयोग के तहत निरंतर उपाय करना आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने खाद्य सुरक्षा, पोषण,जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, डिजिटल कृषि, प्रकृति-हितैषी कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वैल्यू चेन, कृषि विपणन व क्षमतानिर्माण में आसियान के साथ भारत के सहयोग को बढ़ाने में प्रतिबद्धता जताई

खनेता धाम में हुआ अन्न कूट एवं गोवर्धन पूजा का आयोजन

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद के प्रसिद्ध खनेता धाम में गोवर्धन पूजा के अवसर पर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें महामंडलेश्वर रामभूषण दास जी महाराज द्वारा अन्नकूट के बाद प्रसाद वितरण कराया इस अवसर पर महामंडलेश्वर रामभूषण दास जी महाराज ने बताया कि जब कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उँगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएँ उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऋषि सुनक के ब्रिटेन प्रधानमंत्री बनने पर मिठाई बांटकर खुशी जताई

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

भिंड - आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भिंड बस स्टैंड पर ऋषि सुनक के ब्रिटेन प्रधानमंत्री बनने पर मिठाई बांटकर खुशी जताई। इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिला महामंत्री टंटी राजावत ने कहा कि यह हमारे देश के लिए खुशी और हर्ष की बात है कि आज भारतवंशी ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए हैं एवं ऋषि सुनक 210 वर्षों में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने वाले सबसे युवा नेता होंगे और ऋषि सुनक जब सांसद बने थे, तब उन्होंने भगवत गीता की शपथ ली थी और वह कहते थे कि भले ही वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं, पर उन्हें अपने हिंदू होने पर गर्व है। और भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि जिस ब्रिटेन देश ने हमारे देश पर 200 वर्ष राज किया, आज उसी ब्रिटेन देश के सर्वोच्च प्रधानमंत्री पद पर भारतवंशी ऋषि सुनक काबिज हुए हैं, यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। ऋषि सुनक भले ही ब्रिटिश नागरिक हूं पर उन्होंने अपनी जड़ें भारत देश से जुड़ी रखी हैं और अपनी धर्म की पहचान को लेकर वह काफी मुखर रहे। वह नियमित रूप से मंदिर जाते हैं और उनकी बेटियां अनुष्का और कृष्णा की जड़ें भी भारतीय संस्कृति से जुड़ी हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष टीपू भदौरिया, मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह राठौर, मंडल महामंत्री संतोष भारौली, भाजपा नेता रक्षपाल सिंह , श्यामू भारौली, भूपेंद्र ओझा, भूपेंद्र भदौरिया, छोटू ओझा, भूरे तोमर, शैलेंद्र भदौरिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण गौशाला में मना अन्नकूट महोत्सव हुई गोवर्धन भगवान की पूजा

सनातनी संस्कृति संपूर्ण विश्व के कल्याण हेतु जानी जाती है - विधायक उमाकांत शर्मा

रिपोर्टरअभिषेक कुशवाह

सिरोंज। दीपावली का दूसरा दिन गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है लेकिन इस वर्ष ग्रहण होने की वजह से गोवर्धन उत्सव 1 दिन बाद बुधवार को लटेरी रोड स्थित श्री कृष्ण गौशाला एवं गौवंश संवर्धन समिति द्वारा अन्नकूट महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर गौशाला में ही श्री गोवर्धन भगवान का पूजन अर्चन एवं आरती कर परिक्रमा की गई। प्रतिबर्षानुसार इस बर्ष भी श्रीकृष्ण गौशाला में कार्तिक सुदी एकम को श्री गोवर्धन पूजन किया गया। इस अवसर भगवान गोवर्धन को अन्नकूट का भोग लगाकर आरती उतारी गई साथ ही समिति के सदस्यों ने श्री गोपाल कृष्ण के भजनों को गाते हुए परिक्रमा भी की। इस अवसर पर समिति संरक्षक एवं क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने भी पंचोपच्चारों से श्री गोपाल कृष्ण भगवान एवं श्री गोवर्धन की पूजन अर्चन एवं आरती कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि हमें सनातन धर्म की रक्षा हेतु आने वाली पीढ़ी को धर्म एवं संस्कृति की शिक्षा देना चाहिए। हमें अपने वेदों पुराणों एवं उपनिषदों का अध्ययन भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा धर्म मानव धर्म है इसलिए मन को साफ रखकर सर्वे भवंतु सुखिनः इस मंत्र का पालन करना चाहिए, आगे उन्होंने गोवर्धन का महत्व बताते हुए कहा कि यह उस समय की परंपरा है जब भगवान श्री कृष्ण बाल रूप में थे तब इंद्र देव की अहंकार का महिमामंडन करने के उद्देश्य से गोवर्धन लीला करते हुए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाया था उसी समय से ही परंपरा आज तक चली आ रही है इस अवसर पर समिति संरक्षक सत्यनारायण शर्मा अध्यक्ष संतोष चौरे सचिव प्रवीण श्रीवास्तव, वागमल जैन, नारायण दास साहू, वनवारी लाल साहू, , रघुनाथ सिंह रघुवंशी, रमेश यादव, कैलाश शर्मा, झारसिंह दांगी, भैरोसिंह कुर्मी, दरयाब सिंह कुर्मी, मनमोहन साहू, राजेन्द्र गर्ग, पदम ताम्रकार, कामराज पाटीदार, पारस तारण, मयंक सेन सीताराम कुशवाह, सत्य प्रकाश आर्य, छोटू श्रीवास्तव, संतोष शर्मा के साथ ही बड़ी संख्या में समिति सदस्य एवं गौप्रेमी उपस्थित थे।

गायों का हुआ आकर्षक श्रृंगार एवं पूजनः इस अवसर पर समिति सदस्यों द्वारा गौशाला में संरक्षित गायों का पूजन भी किया गया। उन्हें गौग्रास, पूड़ी एवं हारा चारा खिलाया गया। इस दौरान गौशाला परिसर में तुलसी पूजन कर उसकी परिक्रमा भी समिति सदस्यों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं द्वारा की गई। कार्यक्रम के समापन पर प्रसादी वितरण भी हुआ।

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे ओबीसी महासभा विशेष सदस्य प्रीतम सिंह लोधी

पत्रकार राकेश परिहार पिछोर

पिछोर-- हम आपको बता दें खबर शिवपुरी जिले के अंतर्गत पिछोर विधानसभा से दिखा रहे हैं जहां पर किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर बीते 9 दिन पहले से आमरण अनशन भूख हड़ताल पर बैठे ओबीसी महासभा विशेष सदस्य प्रीतम सिंह लोधी द्वारा बताया गया की जहां बीते दिनों पहले अतिवृष्टि होने से किसानों की फसलें बर्बाद हुई है जिसके चलते किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें स्पष्ट दिखाई दे रही हैं इसके साथ पिछोर अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम बृजेंद्र सिंह यादव जी ने धरना स्थल पर पहुंच कर ओबीसी महासभा विशेष सदस्य प्रीतम सिंह लोधी को आश्वासन दिया बताया कि जो हमारे विभाग के दायरे मैं आती है उन्हें हम पूर्ण करेंगे लेकिन ओबीसी महासभा सदस्य प्रीतम सिंह लोधी नहीं बताया की जिले एवं प्रदेश से संबंधित काम है बताया कि जिले एवं प्रदेश के अधिकारियों के हां या ना कि जवाब का इंतजार है यदि हमारी मांगो को पूर्ण नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन समय तक आमरण अनशन भूख हड़ताल जारी रहेगा इसके साथ ओबीसी महासभा विशेष सदस्य पीतम सिंह लोधी ने दीपावली पर्व को लेकर समस्त क्षेत्र एवं नगर वासियों को दी बधाई और बताया कि एससी एसटी ओबीसी के लोगों से विशेष कर कहना है की आप आपस में मिलकर दीपावली का पर्व मनाए अपने अपने घरों में दीपक जलाकर घरों में रोशनी लाएं देखें ओबीसी महासभा विशेष सदस्य पीतम सिंह लोधी जी ने क्या कुछ कहा

गढ़-कुंडार मध्य प्रदेश के जिले निवाड़ी में स्थित एक छोटा सा गांव है इस गांव का नाम

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

यहां स्थित प्रसिद्ध दुर्ग(गढ़) के नाम पर पड़ा मध्यप्रदेश राज्य के उत्तर में निवाड़ी जिले में स्थित एक उच्च पहाड़ी चोटी पर स्थित है,यह किला उस काल की न केवल बेजोड़ शिल्प कला का अदभुत नमूना है बल्कि गढकुंडार स्वतंत्रता की रक्षार्थ किए गए संघर्षों के, बलिदान, त्याग, राष्ट्रधर्म से संबंधित संस्कृति ओर परंपराओं से परिपूरित खंगार क्षत्रिय महाराजाओ की कर्मस्थली रहा

सन् 1182 ई. में खंगार राज्य के अधिष्ठाता एवं हिंदुत्व के सजग प्रहरी खेत सिंह खंगार ने विदेशी आक्रमण कारियों,मुगलो के विरूद्ध देश-धर्म की रक्षार्थ अनेको आदर्श परम्पराओं का प्रचलन किया था जो आज भी जनमानस के पटल पर इस भू -भाग में खंगार शासनकाल के जुझौति खंड से वर्तमान के बुंदेलखंड में त्यौहारों के रूप में विद्यमान है! इस अभेद दुर्ग में महाराजा खेत सिंह खंगार के वंशजों ने 165 वर्ष वर्तमान बुंदेलखंड यानि जुझौति-खंड पर शासन किया राजधानी गढकुंडार रही !

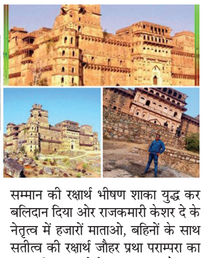

सन् 1347 ई.में बादशाह बिन तुगलक ने गढकुंडार राज्य के अंतिम खंगार राजा मानसिंह से राजकुमारी केशर दे का डोला देने का संदेश भेजा यह कहा कि अपनी रूपवती बेटी केसर दे का डोला दो नही तो भीषण युद्ध के लिए तैयार रहो, खंगार राजा मानसिंह ने तुगलक से अपने स्वाभिमान ओर क्षत्रित्व के मान-सम्मान की रक्षार्थ भीषण शाका युद्ध कर बलिदान दिया ओर राजकमारी केशर दे के नेतृत्व में हजारों माताओ, बहिनों के साथ सतीत्व की रक्षार्थ जौहर प्रथा पराम्परा का पालन किया ,, जो देश का प्रथम जौहर था ! वर्तमान में गढकुंडार महोत्सव के जनक स्वर्गीय श्री उदय सिंह पिंडारी जी के अथक प्रयासों से मध्यप्रदेश शासन द्वारा महाराजा खेत सिंह खंगार जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय भव्य गढकुंडार महोत्सव एवं मेला का आयोजन किया जाता है जिसमें विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति परंपराओं से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं हजारो की संख्या में देश के कौने कौने से प्रकृति प्रेमीलोग सैलानियों का जमावड़ा लगा रहता है गढकुंडार हरी भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है प्राकृतिक वातावरण मनोरम, चारो ओर हरियाली से वातावरण अदभुत स्वच्छ सुंदर दिखाई देता है वर्ष भर पर्यटक आते जाते रहते हैं

कैसे पहुंचें-

पहुंचने के लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के रेलवे स्टेशन से महज 70 किलोमीटर दूरी बस या निजी वाहन से तथा ओरछा से 50द्मद्व की दूरी पर गढ़कुंडार गांव तक पहुंचने के लिए आसान मार्ग उपलब्ध है यह झांसी के दक्षिण पश्चिम भाग में स्थित है मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक किलो में से एक रहस्यमय सुंदर शिल्पकला का नमूना है पर्यटन की दृष्टि से बहुत ही शानदार जगह है ।

नयन की गजलो ने शमां बाधा

जबलपुर। राष्ट्रीय संस्था एक प्रयास भारत के तत्वाधान में रायपुर राजिम में काशीपुरी कुंदन के संयोजन में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ, जिसमें देश के ख्यातिलब्ध कवियों ने हिस्सा लिया जबलपुर से प्रसंग समूह के संस्थापक इंजी विनोद नयन ने शानदार संचालन करते हुए अपनी गजल ''करतवे शिकारी सिखाने जिसे हम लाये पहला निशाना हमीं पर लगा रहा है वो'' से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

25 दिनों से थे अस्पताल में भर्ती खुद को गोली मारने वाले बिल्डर की मौत

जबलपुर। बिल्डर एवं महात्मा गांधी होम्योपैथी कालेज सहित अन्य कालेजों के संचालक राजू वर्मा ने गत 1 अक्टूबर को खुद को गोली मार ली थी। उसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान 26 अक्टूबर बुधवार को उनकी मौत हो गई। वे करीब 25 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। गंभीर बीमारी से जूझ रहे राजू वर्मा के तीन ऑपरेशन हो चुके थे। पहले यह समझा जा रहा था कि उन्होंने बीमारी से तंग आकर आत्मघाती कदम उठाया लेकिन बाद में सुसाईड नोट मिलने पर मामलें में नया मोड़ आ गया था। शुरुआती दौर में उन्हें मेडीकल अस्पताल में भर्ती कराया गया था बाद में उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। सिविल लाईन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार डिलाइट टाकीज कैम्पस साउथ निवासी बिल्डर राजू वर्मा ने शनिवार 1 अक्टूबर को खुद को गोली मार ली थी, इस मामलें में घटना के कई दिन बाद राजू वर्मा के आफिस से उनका सुसाइड नोट बरामद हुआ था। हालांकि घटना के बाद पुलिस ने उसके घर में तलाशी ली थी लेकिन वहाँ से कोई सबूत नहीं मिला था कि आखिर राजू वर्मा ने यह कदम क्यू उठाया, लेकिन उनके ऑफिस से सुसाइड नोट मिला था। सुसाइड नोट में क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति का नाम लिखा है। जिसमें यह भी लिखा है कि वह उसकी प्रताड़ना से तंग होकर ही आत्महत्या कर रहा हूँ। राजू के भाई शैलेन्द्र वर्मा ऑफिस कुछ दस्तावेज लेने गए थे, तभी उन्हें एक ड्राज में राजू के हाथ से लिखा पत्र मिला, जिसमें लिखा था कि मैं राजू वर्मा अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूँ। मेरी मौत की जिम्मदारी क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति की है। यह पत्र सिविल लाइन थाने में दिया गया है। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है।

श्वेतांबर जैन समाज ने मनाया निर्वाण महोत्सव

-जिनालयों में उमड़े श्रद्धालु

भोपाल। शहर के श्वेतांबर जैन समाज के जिनालयों में निर्वाण महोत्सव बुधवार को मनाया गया। तुलसी नगर, चौक जिनालय में धार्मिक अनुष्ठान सुबह सात बजे से शुरू हो गए। भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के अवसर पर जनसैलाब उमड़ा। धार्मिक अनुष्ठान के साथ निर्वाण लाडू अर्पित किए गए। श्वेतांबर धर्मावलंबियों द्वारा अहिंसा के प्रणेता भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। मंदिरों में प्रभु महावीर के अभिषेक पूजा अर्चना के साथ निर्वाण लाडू अर्पित किए गए। श्वेतांबर जैन समाज निर्वाण महोत्सव चौक जैन मंदिर में कार्यक्रम हुए। मुनियों के सानिध्य में महावीर स्वामी के अभिषेक करने भक्त उमड़े। जिनालय से गाजे बाजे के साथ भगवान महावीर की शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें प्रभु भगवान महावीर की प्रतिमा विराजमान रहे। परंपरागत मार्गो से होते हुई शोभा यात्रा जिनालय पहुंच कर धर्म सभा मे परिवर्तित हुई। दिन भर श्वेतांबर जैन समाज के कार्यक्रम चले। राजधानी के श्वेतांबर जैन मंदिरों में भगवान महावीर की पूजा-अर्चना के साथ गौतम रास रचाया गया। धार्मिक अनुष्ठान चल रहे हैं। श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश तातेड़ ने बताया कि मोक्ष दर्शन आगमरत्न के सानिध्य में 24 अक्टूबर से तुलसी नगर में धार्मिक आयोजन शुरू हुए थे, जो बुधवार तक चले। विशेष पूजा-अर्चना के साथ अनुष्ठान निर्वाण लड्डू अर्पित करने का सिलसिला चला। श्री आदिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर तुलसी नगर में साध्वी मुक्ति रेखा ससंघ सानिध्य विशेष अनुष्ठान के साथ मूल नायक प्रभु आदिनाथ स्वामी का विशेष श्रृंगार किया गया। श्री आदिनाथ संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कोठारी ने बताया कि मंत्रोच्चारित अनुष्ठानों के साथ ही भजन गाए गए। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।

सुबह-सुबह अफसरों को तलब किया और बरसे

रात में भोपाल की सड़कों पर शिवराज का हुआ सच से सामना

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार रात को भोपाल की सड़कों का जायजा लिया। देश-दुनिया में मध्यप्रदेश की सड़कों की वाहवाही करने वाले शिवराज का सच से सामना हुआ तो नाराज हो गए। उन्होंने जर्जर हो चुकी सड़कों को लेकर बुधवार सुबह सात बजे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक बुलाई। जर्जर और गड्ढों में तब्दील हो चुकी सड़कों पर नाराजगी जाहिर की। जल्द से जल्द मरम्मत के निर्देश देते हुए उन्होंने रेस्टोरेशन नहीं करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्री जब सड़कों पर उतरे तो उनका सच से सामना हुआ। वह इतना भड़क गए कि सुबह-सुबह बैठक बुला ली। उन्होंने अफसरों पर बरसते हुए कहा कि राजधानी की यह हालत है तो बाकी जगह क्या होगा? शिवराज ने कहा कि मैं मंगलवार रात को भोपाल की सड़कों पर निकला था। हमीदिया रोड से शाहजहांनाबाद होते हुए आया। सड़कों की इतनी दुर्गति होगी मेरी कल्पना नहीं थी। यह रोड किसके पास है? जब अधिकारी कोई जवाब नहीं दे सके तो सीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश की राजधानी के यह हालात है, तो बाकी जगह की क्या स्थिति होगी? मुझे सड़कों की हालत देखकर बहुत बुरा लगा। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी तरीके से काम करने को कहा। साथ ही कहा कि 15 दिन बाद दोबारा सड़कों पर समीक्षा बैठक करेंगे।

ठेकेदारों की लापरवाही, बारिश ने बढ़ाई परेशानी

सितंबर तक रूक-रूककर बारिश होती रही। इससे शहर की अधिकतर सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई। वहीं, 28 सड़कें पानी, सीवेज की पाइप लाइन समेत अन्य काम के लिए खोदी गई। उनका रेस्टोरेशन ही ठीक से नहीं किया गया। इससे वह जर्जर हालत में है। इसे लेकर पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के बीच लंबे समय से पत्र व्यवहार हो रहा है और सड़क सुधारने खानापूर्ति की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बजाया मंजीरा, ताशे: गोवर्धन पूजा पर शिवराज का अलग अंदाज देखने को मिला

भोपाल। गोवर्धन पूजा के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अलग अंदाज देखने को मिला। सीएम ने मंजीरा तो बजाया, ताशे पर भी हाथ आजमाया। मौका था पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में सीएम शामिल हुए। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में जनभागीदारी से पौधारोपण, जल संरक्षण और सस्टेनेबल ग्रीन साइट्स पर गतिविधियां हुईं। सीएम अंकुर अभियान के भोपाल के प्रतिभागियों से बात करते हुए कहा- अब हर पंचायत- शहर में पौधारोपण के लिए जमीन आरक्षित होगी। लोग यहां पौधे लगा सकेंगे।

सीएम ने कहा- मध्यप्रदेश के पर्यावरण प्रेमी आज गोवर्धन पूजा में जुड़े हैं। गोवर्धन पूजा शहर में भले ही कम दिखती हो, लेकिन हम तो गांव के रहने वाले हैं, गांव में तो गौधन मैया घर-घर में बनती हैं। भोले लोग यह भी कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री यह क्या कर रहे हैं, लेकिन मैं कहना चाहता हूं, हमारा देश अद्भुत है। 5000 साल से ज्यादा समय से पहले से हमारे ऋषि-मुनियों ने गोवर्धन पूजा की परंपरा को शुरू किया था। इसमें पर्यावरण संरक्षण का हित निहित था।

लोटा-गिलास की जगह अब बोतल आ रहीं नजर: एक जमाना होता था, जब लोग शेरों का शिकार करते थे और रिकॉर्ड बताते थे। उन्होंने कितने शेर मारे, जब शेर खत्म हो गए तो वाइल्ड लाइफ बोर्ड बना। अब कहा जा रहा है, शेर लाओ, लाओ तेंदुआ। किसान कह रहे हैं कि इन जानवरों से हमारी फसल बचाओ। ये सब प्रकृति के असंतुलन के कारण हो रहा है। अब लोग बोतल से पानी पीते हैं। एक घूंट पानी पिया और बोतल फेंक दी। पहले गांव में लोग लोटे-गिलास में पानी लाकर देते थे। अब गिलास नजर ही नहीं आते। लोग बोतल थमा देते हैं। हमें अपने जीवन में यह बदलाव प्रकृति और पानी को बचाने के लिए करना जरूरी है।

लोगों ने दिवाली पर खूब पटाखे फोड़े: दिवाली पर पटाखे छोड़ने पर प्रतिबंधों के आदेशों पर सीएम ने कहा- अलग-अलग जिलों में प्रशासन ने पटाखे नहीं फोडऩे की सलाह दी, लेकिन जिन लोगों को नहीं मानना था, उन्होंने खूब पटाखे फोड़े। अकेले दीवानी ही नहीं, बल्कि हमें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण को बचाने के लिए परिवर्तन लाना जरूरी है। मध्य प्रदेश की नगर पालिका में ग्रीन सिटी इंडेक्स की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

गोवर्धन पूजा मात्र एक कर्मकांड नहीं, यह प्रकृति की पूजा: आज गोवर्धन पूजा है। गोवर्धन पूजा मात्र एक कर्मकांड नहीं है। यह प्रकृति की पूजा है। यह धरती को बचाने का एक महा अभियान है। 5000 वर्ष से पहले भगवान श्री कृष्ण यह आह्वान किया था। गोकुलवासियों को, ब्रजवासियों को कि तुम गोवर्धन की पूजा करो। वह हमें शुद्ध पर्यावरण देता है, वह हमारी गायों को घास देता है। उसके पेड़ों से कई तरह के फल हमें मिलते हैं, तो जो हमें कुछ देता है। वह हमारे लिए देवता है। हमको उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करनी चाहिए। आज की आधुनिक परिस्थितियों के संदर्भ में गोवर्धन पूजा पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गई है, क्योंकि आज ग्लोबल वार्मिंग का खतरा है। क्लाइमेट चेंज के संकट को हम भुगत रहे हैं, वैसा इसके पहले कभी नहीं रहा। आज तो धरती के अस्तित्व पर ही संकट के बादल छाए हुए हैं। आने वाली पीढियों का भविष्य सुरक्षित नहीं लग रहा है, इसलिए हम गोवर्धन पूजा के माध्यम से सारे समाज को संदेश देने के लिए कि पर्यावरण बचाओ, आज का कार्यक्रम कर रहे हैं।

अब नई सरकार ही कराएगी मंडी चुनाव

पंचायत चुनाव में बढ़ा कांग्रेस का वोटबैंक, 2023 से पहले मंडी चुनावी संभावनाएं खत्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब नई सरकार ही कृषि उपज मंडी के चुनाव करा सकती है। साल 2016-17 से बीजेपी-कांग्रेस के किसान नेताओं को मंडी चुनाव का इंतजार था, जो अब तक नहीं हो पाए। इस दौरान करीब डेढ़ साल तक राज्य में कांग्रेस सरकार भी रही, अब ढाई साल से बीजेपी ने भी चुनाव नहीं कराए। यानी, 2023 से पहले मंडी चुनावी संभावनाएं खत्म होती दिख रही है। ऐसे में ग्रामीण नेताओं का संगठन व विधानसभा चुनाव में दखल बढ़ेगा। दूध का जला फूंक-फूंककर पीया जाता है। ऐसा ही मध्यप्रदेश की राजनीति में हो रहा है। भाजपा के ऑपरेशन लोटस से कमलनाथ सरकार गिरी। इसके बाद सत्ते में आई कांग्रेस ने निकाय व पंचायत चुनाव में इसी कहावत को चरितार्थ किया। नतीजा यह रहा कि, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जनपद, जिला पंचायत से लेकर सरपंच तक के वार्डों में इस बार तुलनात्मक कांग्रेस को दमदार सफलता मिली, जो पहले के मुकाबले अधिक रही। भाजपा शासन में चुनाव होने के चलते और दलगत राजनीति आधार पर ये चुनाव ना होने के चलते अध्यक्ष पदों पर भले ही भाजपा काबिज हो गई लेकिन सच्चाई है कि जिपं सदस्य और जनपद सदस्य से लेकर सरपंच, पंच पदों पर कांग्रेस मजबूती से उभरी है।

मंडी के वार्ड परीसीमन हुए ना आरक्षण

चुनाव टालने की इस बात को इसी से समझा जा सकता है कि ना तो कृषि मंडी को लेकर वार्ड परीसीमन हुआ ना ही वार्डों व अध्यक्ष पदों की आरक्षण प्रक्रिया। नाम बढ़ाने-घटाने पर भी काम नहीं हुआ। चुनाव की इस प्रक्रिया में ही तीन से चार माह का समय लग जाता है। ऐसे में पूरे आसार है कि अब मंडी चुनाव इस सरकार के शासन में नहीं होंगे। अभी एसडीएम प्रशासक के तौर पर पद संभाल रहे हैं। किसी भी राजनीतिज्ञ का अब सीधा दखल नहीं है।

संगठन व विधानसभा चुनाव में रखेंगे दावेदारी

ताजा स्थिति में अब विधानसभा चुनाव 2023 में सालभर से भी कम समय बचा है। ना केवल सत्तारूढ़ दल बीजेपी बल्कि कांग्रेस के कई नेता कृषि मंडी चुनाव को लेकर तैयारियों में है लेकिन अरमान अब तक अधूरे रहे हैं। 2023 में जो सरकार विधानसभा में चुनी जाएगी, उस वक्त ही चुनाव संभव हो पाएंगे। यही वजह है कि मंडी चुनाव से वंचित नेता विधानसभा दावेदारी को लेकर भी ताल ठोकते नजर आ सकते हैं।

सुभद्रा मेमोरियल फाउंडेशन ने बच्चों को बैग, कॉपी बाटे

जबलपुर। जिला कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी के आव्हान पर सुभद्रा मेमोरियल वेलफेयर फाउंडेशन ने खुशियों का त्योहार जरूरतमंद परिवारों के बीच जाकर मनाया। संस्था के प्रमुख हेमंत पटेल ने बताया कि पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक तरुण भनोट का जिन्होंने जरूरतमंद परिवारों की आवश्यकताओं को समझा और सहयोग पहुंचाया गया,संस्था के द्वारा 130 स्कूली छात्र छात्राओं को स्कूल बैग, कापिया, आतिशबाजी का वितरण किया गया, इसके अलावा संस्था के द्वारा लगभग 150 अन्य लोगों को वस्त्रों का वितरण भी किया गया। इस आयोजन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र जामदार, संभागीय प्रमुख रवि बर्मन, गढ़ा थाना प्रभारी राकेश तिवारी सब इंस्पेक्टर रजनी पटेल, गड़ा वार्ड पार्षद मनीष पटेल, इंदिरा गांधी वार्ड की पार्षद श्रीमती प्रिया संजय तिवारी, वीर सावरकर वार्ड की पार्षद श्रीमती पूजा राम पटेल, शिक्षाविद मुकेश साहू ,शिक्षाविद शालिनी जैन, सानू डांस, दीपशिखा बघेल,श्रीमती सविता दुबे, संतोष दुबे, समाज श्रीमती आरती गौतम, जितेंद्र सैनी, अमित चक्रवर्ती, श्रीमती सतश्री पटेल, श्रीमती रीना पटेल, नितिन ताम्रकार, राकेश पटेल, प्रमित नामदेव,राजा ठाकुर, विजय नामदेव, श्रीमती मीना कुशवाहा, श्रीमती सुनीता विश्वकर्मा और नटखट टोली से कार्तिक परिहार, पार्थ पटेल, डुग्गू ठाकुर, अक्षत रजक, हनी केसरवानी प्रमुख रूप से उपस्थित होकर सहयोग किया।

सतना में लगा गधों का मेला: सलमान बिका एक लाख में, शाहरुख के मिले 90 हजार

भोपाल। मध्यप्रदेश के सतना के चित्रकूट में दीपावली के दूसरे दिन इस बार भी गधों का मेला लगा। मेले में सबसे महंगे बिके गधों के नाम सलमान और शाहरुख बताए जा रहे हैं, जिसके बदले उनके मालिकों को एक लाख और 90 हजार रुपये मिले। बाकी गधे 30 हजार से 60 हजार रुपये के बीच बिके हैं। इस मेले की खासियत यह है कि इसकी शुरुआत मुगल शासक औरंगजेब ने कराई थी। सतना जिले की चित्रकूट नगर पंचायत इस मेले का आयोजन करती है। इस बार इस मेले में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश ही नहीं बल्कि बिहार, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से भी व्यापारी पहुंचे हैं। पांच हजार से अधिक गधे और खच्चर बेचने के लिए मेले में आए हैं। मजे की बात तो यह है कि गधे को खरीदने-बेचने वालों से ज्यादा भीड़ इस मेले को देखने वालों की है।

नाम बनाते हैं इन गधों को खास

मुगल सेनाओं में गधों और खच्चरों का महत्वपूर्ण योगदान रहता था। चित्रकूट के मेले से ही औरंगजेब ने अपनी सेना के लिए गधे-खच्चर मंगवाए थे। इससे इसका महत्व बढ़ जाता है। कई व्यापारी अपने गधों के नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखते हैं और यही पहचान उन्हें आम से खास बना देती है। इस मेले में उन्नत किस्म के गधे और खच्चर बिकने के लिए आते हैं।

हर गधे की लगती है एंट्री फीस

गधों के मेले में गधा बेचने के लिए एंट्री फीस भी चुकानी होती है। चित्रकूट नगर पंचायत प्रत्येक गधे के लिए 300 रुपये की एंट्री फीस वसूलती है। इसी तरह एक खूंटे के लिए 30 रुपये चुकाने होते हैं। इसके बाद गधों के लिए बोलियां लगती हैं और गधे की नस्ल और सेहत को देखकर कीमत तय की जाती है। औसतन तीन से चार हजार गधे हर साल इस मेले में बिक जाते हैं।

मंत्रालय की फाइलों में दफन हैं शिक्षिका की 'चीखें'

- रात को हॉस्टल की लड़कियों की डिमांड करने वाले एसडीएम पर कोई कार्रवाई नहीं

- ऑडियो के आधार पर शिवपुरी जिला शिक्षा अधिकारी को निलंबित करने के बाद उठे कार्यप्रणाली पर सवाल

भोपाल। राज्य शासन ने हाल ही में शिक्षिका के साथ दूरभाष पर अश्लील वार्तालाप का ऑडियो वायरल होने पर शिवपुरी जिला शिक्षा अधिकारी को निलंबित कर दिया है, लेकिन ऐसे ही मामले की दूसरी शिकायत को मंत्रालय के अफसरों ने दबाए रखा। जब ऑडियो के आधार पर शिवपुरी जिला शिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई हुई सरकार की फाइलों में दबी दूसरी शिक्षिका की शिकायत का मामला भी उठा। कन्या छात्रावास शिवपुरी प्रथम की अधीक्षिका राजकुमारी कोली ने शपथ लेकर शिकायत की थी कि तत्कालीन जिला संयोजक एवं वर्तमान एसडीएम पिछोर बिजेन्द्र सिंह यादव रात को छात्रावास की लड़कियों की डिमांड करते है। शिक्षिका ने आरोप लगाए कि वे उन पर भी रात बिताने का दबाव बनाते हैं। इस मामले में शिक्षिका ने मंत्रालय से कार्रवाई की मांग की थी, जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कन्या छात्रावास शिवपुरी की अधीक्षिका राजकुमार कोली ने 3 अगस्त 2022 को शपथ पत्र क्रमांक बीएच 790074 पर राज्य शासन के सभी प्रमुख अफसरों को नोटरी के साथ शिकायत भेजी थी। जिसमें उन्होंने तत्कालीन जिला संयोजक विजेन्द्र सिंह यादव वर्तमान एसडीएम पिछोर वर्तमान में डिप्टी प्राचार्य कन्या शिक्ष परिषद शिवपुरी पर छात्रावासों के लिए किराए के भवन लेने संबंधी कई आरोप लगाए थे। साथ ही शिकायत के बिंदु क्रमांक 8 में बताया कि पिछोर एसडीएम बिजेन्द्र सिंह यादव द्वारा स्थापना शाखा के रमेश बाबूजी के जरिए फोन पर बुलाया था। लेकिन ऑपरेशन की वजह से मैंने मना कर दिया था। इसके बावजूद भी रमेश बाबू मोटरसाइकिल लेकर मेरे घर आ गए थे। मुझे गाड़ी पर बैठाकर साहब के पास ले गए। तत्कालीन जिला संयोजक ने मुझे कहा कि %छात्रावास की छात्राओं को रात्रि में मेरे पास लेकर आ जाओ किसी को कुद पता नहीं चलेगा। मेरे द्वारा मना करने पर बोले कि छात्राओं को बाद में बुलावें, पहले तुम एक रात मेरे पास आ जाओ। मैं तुम्हें पूरे जिले का मंडल संयोजक बना दूंगा। सरकारी गाड़ी भी दूंगा। जिससे समस्त छात्रावासों का निरीक्षण करोगी। जिससें तुम्हारा रुतवा अधिक्षिकाओं में बढ़ जाएगा। रात्रि को मेरे पास आओगी। यह कोई नहीं जान पाएगा।' अधीक्षिका ने शिकायत में लिखा कि मैं कक्ष से बाहर आई तो रमेश बाबू बाते कि रात में साहब के बंगले पर चली जाओ इससे किसी को कुछ पता नहीं चलेगा और तुम्हारा कुछ नहीं बिगड़ेगा। साथ ही रमेश बाबू ने तबादले की धमकी थी दी।

हर जगह शिकायत, पर कार्रवाई कुछ नहीं: अधीक्षिका ने इस संबंध में हर स्तर पर शिकायत की थी, लेकिन करीब पौने तीन महीने बाद अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यहां तक कि महिला की शिकायत की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारी पर किसी तरह की शिकायत नहीं की गई। पीड़िता ने इस संबंध में शिवपुरी कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत भेजी। शिवपुरी जिला पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत भेजी। शिकायत में तथ्य गलत भी हो सकते हैं, लेकिन अभी तक इसकी जांच रिपोर्ट तक तैयार नहीं हुई है।

मंत्रालय के अफसरों ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया: कन्या छात्रावास की अधीक्षिका ने जो आरोप लगाए हैं, वे बेहद गंभीर किस्म के हैं। लेकिन शिकायत को मंत्रालय के अफसरों ने गंभीरता से नहीं लिया है। मंत्रालय के विभागीय अफसर चाहते तो भोपाल स्तर से भी जांच हो सकती थी, लेकिन अभी तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं हो पाईहै।

वो भोपाल स्तर से जांच चाहती हैं: ऐसे मामलों की जांच के लिए समिति होती है। जिसमें महिला अधिकारी होती हैं। पहले एडीएम को जांच दी थी। शिकायत पर बयान के लिए उन्हें कई बार बुलाया, लेकिन वे शिवपुरी जिला स्तर से किसी तरह की कार्रवाई नहीं चाहती हैं। उन्हें जिला स्तर पर पर किसी भी जांच, प्रस्ताव पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कई जगह आवेदन की कॉपी दिया है। जहां तक जिला शिक्षा अधिकारी संजय श्रीवास्तव पर कार्रवाई का सवाल है तो उन्होंने स्वीकार किया है कि ऑडियो में आवाज उनकी है। ऐसे में फिर कुछ बचता नहीं है।

1087 करोड़ के प्रोजेक्ट में बनेगा नया फ्लाईओव्हर

एनएचएआई ने दुर्घटनाओ के बाद लिया संज्ञान

भोपाल। भोपाल ब्यावरा फोरलेन की बदहाल स्थिति पर आखिरकार एनएचएआई के जिम्मेदारों का ध्यान गया और उन्होंने इस पर नाराजगी जताई है। अब निर्माण एजेंसी सीडीएस को दोबारा इसकी मरम्मत करना होगी। साथ ही कुरावर व श्यामपुर के ओव्हरब्रिज भी सुधारे जाएंगे। सबसे खास बात यह है कि नरसिंहगढ़ बायपास पर फ्लाईओव्हर बनाया जाएगा। यहां ज्यादा हादसे होते हैं लेकिन 1087 करोड़ के प्रोजेक्ट में ड्राइंग में नहीं होने से फ्लाईओवर निर्माण टल गया था। दरअसल बाइपास व्यवस्थित नहीं होने से नरसिंहगढ़ के बाहर निकले रोड पर हादसे हो रहे थे। कई बार कई लोगों की जान इसमें चली गई। रोड निर्माण के दौरान जिम्मेदारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया साथ ही उस हिसाब से ड्राइंग.डिजाइन तैयार नहीं की गई। जिससे वह बन नहीं पाया. स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इसमें रुचि नहीं दिखाई इसीलिए ब्रिज टलता रहा। बाद में जब हादसे बढ़े तो दोबारा इसकी मांग उठी. साथ ही रोड में भी तरह.तरह की खामियां समझ आने लगीं तब जाकर एनएचएआई ने यह माना कि दिक्कत है। अब पूरे मार्ग को लेकर दोबारा सर्वे किया जाएगा. साथ नए सिरे से मेजरमेंट तैयार किया जाएगा।

1087 करोड़ वाला भी रीटेंडर इसलिए क्वालिटी नहीं

वष.2018 में 1087 करोड़ रुपए की लागत से बने भोपाल ब्यावरा फोरलेन के निर्माण में शुरुआत से ही दिक्कतें रही हैं। न रोड ढंग का बना न ही इसमें संबंधित एजेंसी ने पौधरोपण कराया। 1087 करोड़ की मोटी रकम भी 120 किमी के फोरलेन में रीटेंडर के माध्यम से हुई। इसीलिए कहीं ऊपर तो कहीं नीचे और कहीं उबडख़ाबड़ यह रोड क्वालिटी में भी शुरुआत से ही पिछड़ी रहा है। अब दोबारा होने वाले सर्वे और मेंटनेंस से कुछ उम्मीदें जागी हैं।

प्रोजेक्ट पुराना था इसलिए नहीं बना था

जानकारी के अनुसार भोपाल ब्यावरा फोरलेन पुराना प्रोजेक्ट था। 2012 में हैदराबाद की टांसट्रॉय कंपनी के काम छोड़ जाने के बाद हर बार इसका टेंडर रिनिवल का ही हुआ। यानि फ्रेश प्रोजेक्ट नहीं रहने से यह ब्रिज का मामला टलता रहा है। अब एनएचएआई दोबारा इस पर विचार कर रही है। जिसमें अंदेशा लगाया जा रहा है कि जल्द ही एनएच की टीम इसका सर्वे करेगी और नए सिरे से फ्लाइओव्हर बनाएगी जिससे काफी हद तक वाहन चालकों को राहत और मदद मिल जाएगी।

ग्राम गौरव समिति का तीन दिवसीय प्रतिभा सम्मान एवं रक्त दान कार्यक्रम सम्पन्न

रक्तदान में बढ़ चढ़ कर लिया हिस्सा

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

बालाघाट दीपावली पर्व के पावन अवसर पर ग्राम दिघोरी में दीपावली मिलन, प्रतिभा सम्मान एवं रक्तदान शिविर समारोह का आयोजन किया गया।24 अक्टूबर से आयोजित कार्यक्रम में पहले दिन भजन मंडली के द्वारा सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वहीं दुसरे दिन 25 अक्टूबर को सुर्यग्रहण के समाप्ति के पश्चात भव्य समारोह का आयोजन किया गया। ढलती शाम के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इस दौरान अपने बीच विधायक और पुर्व विधायक को पाकर ग्रामीणजन उत्साहित हो उठे और कार्यक्रम में अतिथियों के पंहुचते ही सभी का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सुश्री हिना लिखीराम कावरे विधायक, रमेश दिलीप भटेरे पुर्व विधायक भाजपा जिलाध्यक्ष, श्रीमती अर्चना रेवेन्द्र खोंगल अध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी, अजय अवसरे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी, दुलीचंद राजनिरे जिला पंचायत सदस्य, रेखा विकेश मडामे जनपद सदस्य, नेहल तुमेश्वर गौतम सरपंच कुम्हारी खुर्द, कमला संजय घोरमारे सरपंच घोटी घुसमारा, धन्नूलाल घोरमारे सरपंच दिघोरी, पवन कावरे, रवि धारणे , रितेश कटरे पत्रकार, विकास बिसेन, फलेन्द्र बिसेन, विकेश मड़ामे , संजय घोरमारे आदि प्रमुख रूप से मंचासीन रहे, कार्यक्रम का संचालन युवा अरूण कालबेले के द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभावान छात्रों, शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में कार्यरत ग्राम के व्यक्तियों, कोरोना काल में स्वयं का उद्योग स्थापित करने वाले, आजिविका अम्रतमहोत्सव अंतर्गत पहली बार मतदाता सूची में शामिल होने वाले नये मतदाताओं को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभाशालीयों को विधायक सुश्री हिना कावरे , पुर्व विधायक रमेश भटेरे तथा अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में गांव के बच्चो के द्वारा नृत्य आदि की प्रस्तुति दी गई तो वहीं अतिथियों के स्वागत सम्मान पर आधारित कविता की प्रस्तुति जीवनकला दमाहे के द्वारा प्रस्तुत की गई जिसे भरपूर सराहना मिली। कार्यक्रम में ग्रामीणजनों के अलावा आजिविका समूह की महिलाएं भी प्रमुख रूप से सहभागी रही। ग्राम गौरव समिति के द्वारा आयोजित 3 दिवसीय ग्राम गौरव सम्मान समारोह में ग्राम गौरव समिति के पदाधिकारी गण अरुण कुमार कालबेले, विशेष परामर्शक एवं मेंटर, ताराचंद मडामे अध्यक्ष, श्रीमती शीला अगासे उपाध्यक्ष, राजेश घोरमारे सचिव, महेश धारने कोषाध्यक्ष, भोजराज कालबेले समन्वयक , सुरेन्द्र मंसुरे सज सज्जा प्रभारी, बसंत मडामे संयोजक,रितेश कालबेले , निशांत दमाहे एवं सचिन अगासे सोशल मीडिया एवं फोटोग्राफी प्रभारी के द्वारा सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया गया।

शासकीय/ गैर शासकीय क्षेत्रो में कार्यरत इन्हें किया गया सम्मानित: पवन कालबेले टेरीटरीमेनेजर महिंद्रा एंड महिंद्रा ट्रेक्टर, महेंद्र धारने, उपयंत्री लोक निर्माण विभाग, धर्मेन्द्र दमाहे सोलार कंपनी नागपुर शांति दमाहे (डीएमएलटी), पैथोलॉजी लैब भिलाई, सितम बसोने संभाग स्तरीय खो-खो खिलाडी वर्ष- 2005-06 कंपनी मेनेजर रायपुर, सुश्री गंगा पवन धामने कुम्हारी कला नर्सिंग ऑफिसर कटंगी में अपनी सेवाएं देने वाले सभी लोगों को अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया।

आपदा में अवसर को तरासने वाले इन उधमी को किया गया सम्मानित: डेविड दमाहे किराना शॉप (कोरोना के दौरान), शीलवंत मडामे एमपीआनलाइन, सम्मानित प्रथम बार मतदाता का उपयोग करने वाले मतदाताओं में, प्रीति धारने, सतीश बनोठे एवं प्रतिभाशाली विध्यार्थोयों जिन्होंने पढाई में अच्छे प्रदर्शन किया है उनमें सुनील दमाहे एथलेटिक्स जबलपुर संभाग में द्वितीय स्थान, हिना वाघाडे बारहवी 70त्र, मोनिका अगासे बारहवी 93त्र, नितिन नागपुरे दसवी 77त्र, सारिका अगासे दसवी 77त्र, भूमिका लिल्हारे दसवी 80त्र, अलका घोरमारे बारहवी 83त्र प्राप्त कर नाम रोशन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। वहीं

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागी जिनमें सुरभि दमाहे, ओमेश्वरी सुलाखे (मध्य प्रदेश गान/ महिला वर्ग), अनिरुद्ध कालबेले (मध्य प्रदेश गान/पुरुष वर्ग), यासिन खान (भक्ति गीत), भुमिक महेनद्र , जिग्यांश कालबेले (लुनगि नृत्य), रविंद्र वाघाडे/ टीम (गोवारा डांस) को सम्मानित किया गया।

31 व्यक्तियों के रक्तदान किया: 26 अक्टूबर को आयोजित रक्तदान शिविर में 31 लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया जिनमे सुरेन्द्र मंसुरे पंच ग्राम पंचायत दिघोरी, प्रकाश अगासे अरुण कुमार कालबेले,बसंत मडामे, रितेश कटरे जिला ब्युरो चीफ पत्रकार, चन्द्रहास रणदिवे, दीपक मुरकुटे , राजेश घोरमारे, रितेश कालबेले, श्रीमती रेखा मडामे, महेंद्र धारने, घनश्याम जुझार, महेश धारने,सुनील कालबेले इत्यादी लोगों ने रक्तदान किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने किया कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों का निरीक्षण

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

शिवपुरी, 26 अक्टूबर 2022/ कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कार्यालयों में साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था का जायज़ा लिया। उन्होंने आदिम जाति कल्याण विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग, कृषि विभाग, भू-अभिलेख, खाद्य विभाग, आबकारी विभाग, निर्वाचन कार्यालय, नाजिर शाखा, नजूल शाखा, रिकार्ड रूम, लोक सेवा केन्द्र, शिक्षा विभाग एवं एनआईसी कक्ष का औचक निरीक्षण किया और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अनुपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए।

पुनीत राजकुमार की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू =-चामुंडेश्वरी कला संस्था द्वारा हंपी नगर स्थित लाइब्रेरी मैं आयोजित दीपावली उत्सव एवं पुनीत राजकुमार की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम मैं मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए संस्था के सदस्य उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में मुणोत ने संस्था के सभी पदाधिकारीओं को धन्यावाद दिया ।

11551 दीपों से जगमगाया ग्राम जावती

रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज ग्राम जावती के श्री बालस्वरूप हनुमान मंदिर एवं शिवालय पर दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से 11551 दीपक जलाए गए ज्ञात हो कि पिछले वर्ष भी 2151 दीपक जलाए गए थे जिससे मंदिर सहित बस स्टैंड और तालाब में एक मनोरम दृश्य नजर आने लगा ! वही जानकारी देते हुए जन चेतना मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि शिक्षा के मंदिर शासकीय एकीकृत हाई स्कूल प्रांगण सहित सरहद पर अपनी जान की बाजी लगाकर देश की रक्षा करने बाले सैनिकों के नाम भी दीपक जलाये गये जिनकी बजह से आज हम स्वतंत्रता से जीवन यापन कर रहे हैं, दीपक रखने की डिजाइन वरिष्ठ पेंटर श्रृवण भगतजी द्वारा तय की गई और दीपक रखने का पुनीत कार्य पप्पू भगत जी द्वारा किया जाता है, वहीं इस भव्य कार्यक्रम में संपूर्ण ग्राम का सहयोग रहता है

पीले चावल और आमंत्रण पत्र देकर हनुमंत कथा सुनने आमंत्रित कर रहे मुख्य यजमान भारद्वाज

14 से 18 नवंबर दंदरौआ धाम में 5 दिवस लगेगा विश्व विख्यात धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दरबार

संतोष सिंह भदोरिया
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिंड - जिले के सुप्रिसद्ध डॉक्टर हनुमान के नाम से विख्यात दंदरौआ धाम में 14 नवंबर में बागेश्वर सरकार के नाम से विख्यात महाराज धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से श्री हनुमान कथा के साथ ही दिब्य दरबार का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ जिसके चलते मुख्य यजमान समाजसेवी अशोक भारद्वाज क्षेत्र में गाँव गाँव संपर्क कर लोगों को पीले चावल और आमंत्रण पत्र सौंपकर लोगों से अधिक से अधिक संख्या में दंडरौआ धाम में 14 से 18 नवंबर में होने जा रही श्री हनुमंत कथा श्रवण कर पुण्य लाभ लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं इसी क्रम में मंगलवार को मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के गोरमी मंडल में पचेरा, कुटरौली डीडौना, पचेरा सुच्चा पुरा, छोटी कचनाव, बड़ी कचनाव, बघेलीपुरा सहित अन्य गाँवों में संपर्क कर पीले चावल और आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया।

ग्वालियर के युवा दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ी का राष्ट्रीय टीम में चयन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मध्य प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान श्री कबीर सिंह भदोरिया का राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के लिए चयन हुआ है इसका एक प्रशिक्षण कैंप एवं इंडिया ए और शेष भारत के बीच खेले जाने वाला मैच, सूरत में संपन्न हो रहा है। जिसमें भारत की दो टीमों के बीच मैच खेले जाएंगे। मैच को सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिटी कप नाम दिया गया है। यह टूर्नामेंट 28 से 30 अक्टूबर 2022 के बीच संपन्न होगा। श्री भदोरिया जी को शुभकामनाएं और सुखद यात्रा की मंगल कामना देने के लिए सेवार्थ जन कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष श्री मोहनलाल जी अहिरवार, संयोजक मनोज पांडे एवं सेवार्थ पाठशाला के संरक्षक श्री ओपी दीक्षित स्टेशन पर, साथ में मध्य प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के उप कप्तान श्री रिंकू कंसाना और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्री अरविंद रजक, , ग्वालियर तथा सभी खेल प्रेमियों श्री अमित सांघी जी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर, एडीएम ग्वालियर श्री गढ़पाले जी, उपायुक्त नगर निगम श्री अतेंद्र सिंह जी गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राजेश दंडोतिया, संरक्षिका मध्य प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम से पदम श्री, उमा तुली श्रीमती शकुन वैशय तथा श्री नारायण प्रसाद जी पाथ इंडिया, सेवार्थ जन कल्याण समिति के सचिव तथा सेवानिवृत्त मेजर श्री मनोज पांडे जी, खेल प्रेमी श्री पवन दीक्षित जी, ब्रम्हाकुमारी ग्वालियर के प्रतिनिधि श्री बी के पहलाद जी प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञ, डॉक्टर प्रियंवदा जी भसीन, प्रख्यात प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्रीमती अनुराधा शर्मा ग्वालियर खेल प्रेमी विभिन्न सामाजिक संगठनों , ग्वालियर से प्रकाशित होने वाले सभी पत्रकारिता जगत के खेल संवाददाता एवं संपादकों इत्यादि ने बहुत-बहुत शुभ आशीष और शुभकामनाएं प्रदान की।

नगर परिषद रन्नौद विधायक प्रतिनिधि ने मनाया सफाई कर्मियों के साथ दीपावली का त्यौहार

प्रदीप जैन रिपोर्टर
पुष्पांजली टुडे

रन्नौद विधायक प्रतिनिधि राजेश केवट ने नगर परिषद रन्नौद में स्वच्छता कर्मियों के साथ दीपावली तोहार मनाया गया और उनके इस योगदान के सराहना करते हैं कि उन्होंने नगर परिषद को स्वच्छ और साफ बनाया दीपावली के अवसर पर शुभकामनाएं सहित उनको मिठाई वितरण की जिसमे सभी, सफाई कर्मी उपस्थित रहे स्वच्छता कर्मी नगर परिषद रन्नौद केशव, मनोहर,जितेंद्र,राधे, शिवकुमार, दीपक, रोपेश,सुनील, दीपक,संतोष,कपिल, अन्य स्वच्छता कर्मी उपस्थित रहे

लालटिपारा गौशाला में 100 टन गोबर से बनाए 20 फीट ऊंचे गोवर्धन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । लाल टिपारा स्थित मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी आदर्श गौशाला में बुधवार को 100 टन गोबर से 20 फीट ऊंचा गोवर्धन पर्वत बनाकर गोवर्धन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने पूजा कर गोवर्धन भगवान से गायों को लंपी वायरस से सुरक्षित करने की प्रार्थना की। इसके बाद गायों को आयुर्वेदिक लड्?डू खिलाए गए, जिससे यह वायरस से उनका बचाव किया जा सके। गायों को भोग लगाने के बाद बड़ी संख्या में गौ सेवकों ने उपस्थित होकर गोवर्धन की पूजा की एवं अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया। गोवर्धन पूजा का महत्व गाय, पर्वत, नदियां, प्रकृति आदि की रक्षा एवं पूजा करने से है। यह पर्व मनुष्य को प्रकृति की रक्षा व उसकी पूजा करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर श्री कृष्णायन गौशाला के महंत श्री अच्चुदानंद जी महाराज एवं बड़ी संख्या में गौ सेवक उपस्थित रहे।

गौशाला में प्रतिवर्ष होने वाली गोवर्धन पूजा को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। गौशाला के संरक्षक श्री ऋषभ देव आनंद महाराज ने अपनी देखरेख में इस विशाल गोवर्धन पर्वत का निर्माण कराया है। इसमें 100 टन गोबर लगा है और इसे मथुरा के गोवर्धन पर्वत की तरह दर्शाया गया है। बुधवार को पूरे विधि विधान से गोवर्धन पर्वत की पूजा कर गोवर्धन महाराज की परिक्रमा लगाई गई। गौशाला के संरक्षक संतों ने बताया कि लाल टिपारा स्थित गोशाला में हर साल दीपावली की पड़वा पर गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें सनातन धर्म को मानने वाले और विभिन्न समाज सेवी संगठन के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। साथ ही आसपास के गांव के लोग पूजा में शामिल होते हैं। गोवर्धन पूजा के बाद नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने लंपी वायरस से बचाने गायों को आयुर्वेदिक लड्?डू भी खिलाया है। इसके बाद सभी को गायों की विशेष सुरक्षा के लिए कहा गया है। भगवान से भी प्रार्थना की गई है कि इस लंपी वायरस का प्रकोप कम हो जाए।

गौ सेवार्थ 29 अक्टूबर से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ भूमिपूजन

लाल टिपारा गौशाला में आज आयोजित गोवर्धन महोत्सव के साथ ही आगामी 29 अक्टूबर से 5 नवंबर तक श्री गौ माता की रक्षार्थ आयोजित की जा रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का भूमि पूजन नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में ब्रह्मचारी श्री प्रेमानंद जी महाराज हरिद्वार द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का अमृत पान कराया जाएगा।

लालटिपारा गोशाला में 20 फीट ऊंचे गोवर्धन

100 टन गोबर से बनाए गोवर्धन, गायों को लंपी वायरस बचाने की प्रार्थना

ग्वालियर। मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी ग्वालियर की लाल टिपारा स्थित आदर्श गौशाला में आज बुधवार को 100 टन गोबर से 20 फीट ऊंचा गोवर्धन पर्वत बनाकर गोवर्धन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल ने पूजा कर गोवर्धन भगवान से गायों को लंपी वायरस से सुरक्षित करने की प्रार्थना की। इसके बाद गायों को आयुर्वेदिक लड्डू खिलाए गए, जिससे यह वायरस से उनका बचाव किया जा सके। गायों को भोग लगाने के बाद बड़ी संख्या में गौ सेवकों ने उपस्थित होकर गोवर्धन की पूजा की एवं अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया। गोवर्धन पूजा का महत्व गाय, पर्वत, नदियां, प्रकृति आदि की रक्षा एवं पूजा करने से है। यह पर्व मनुष्य को प्रकृति की रक्षा व उसकी पूजा करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर श्री कृष्णायन गौशाला के महंत अच्चुदानंद महाराज एवं बड़ी संख्या में गौ सेवक उपस्थित रहे।

गौशाला में प्रतिवर्ष होने वाली गोवर्धन पूजा को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही थीं। गौशाला के संरक्षक श्री ऋषभ देव आनंद महाराज ने अपनी देखरेख में इस विशाल गोवर्धन पर्वत का निर्माण कराया है। इसमें 100 टन गोबर लगा है और इसे मथुरा के गोवर्धन पर्वत की तरह दर्शाया गया है। बुधवार को पूरे विधि विधान से गोवर्धन पर्वत की पूजा कर गोवर्धन महाराज की परिक्रमा लगाई गई।

गौशाला के संरक्षक संतों ने बताया कि लाल टिपारा स्थित गोशाला में हर साल दीपावली की पड़वा पर गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें सनातन धर्म को मानने वाले और विभिन्न समाज सेवी संगठन के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। साथ ही आसपास के गांव के लोग पूजा में शामिल होते हैं। गोवर्धन पूजा के बाद नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल ने लंपी वायरस से बचाने गायों को आयुर्वेदिक लड्डू भी खिलाया है। इसके बाद सभी को गायों की विशेष सुरक्षा के लिए कहा गया है। भगवान से भी प्रार्थना की गई है कि इस लंपी वायरस का प्रकोप कम हो जाए।

आसपास के गांव भी पूजा में शामिल होते हैं

गोशाला के संरक्षक संतों ने बताया कि लालटिपारा स्थित गोशाला में हर साल दीपावली की पड़वा पर गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें सनातन धर्म को मानने वाले और विभिन्न समाज सेवी संगठन के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। साथ ही आसपास के गांव के लोग पूजा में शामिल होते हैं।

लंपी वायरस से लड़ने की शक्ति मिलेगी

गोवर्धन पूजा के बाद नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल ने लंपी वायरस से बचाने गायों को आयुर्वेदिक लड्डू भी खिलाया है। इसके बाद सभी को गायों की विशेष सुरक्षा के लिए कहा गया है। भगवान से भी प्रार्थना की गई है कि इस लंपी वायरस का प्रकोप कम हो जाए। आखिर में गो सेवक और आसपास के गांव से आए लोगों ने प्रसादी का स्वाद चखा है।

सिद्धपीठ श्री गंगादास की बड़ी शाला, धूमधाम से मना अन्नकूट महोत्सव

शहर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में बुधवार को दिवाली की पड़वा पर भक्तिभाव एवम श्रद्धा से भगवान गोवर्धन जी की पूजा अर्चना की गई। इसके साथ ही अन्नकूट महोत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवम धर्मप्राण नागरिक उपस्थित हुए। दीपावली पर्व के तहत पड़वा पर गोवर्धन पूजनोत्सव व अन्नकूट महोत्सव का विधान है। काशी, मथुरा-वृंदावन समेत देश भर में इसका किया जाता है। इसी क्रम में श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में शाम 4 बजे से अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया।शाला परिसर में स्थित गौशाला में आज गाय के गोबर से भव्य गोवर्धन बनाए गए। इसे शिखरयुक्त पुष्पादि से सुशोभित गया।भव्य झांकी देखते ही बनती थी। आचार्य मनीष दुबे आचार्यत्व में शाला के महत्वपूर्ण वैराठी पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवकदास जी महाराज के सानिध्य में शाला के संत समाज एवम श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भगवान गोवर्धन जी का दुग्ध दही से अभिषेक किया। आज गोवर्धन की पूजा में स्वाति नक्षत्र का अदभुत संयोग था सो आज की पूजा विशेष फलदाई थी।

सांस्कृतिक महाकुम्भ 'ग्रीनवुड उदभव उत्सव' 29 से

देश-विदेश के कलाकारों के कार्निवाल से होगा आगाज

इस बार पाँच दिवसीय होगा आयोजन, ताइवान निभाएगा भागीदारी

ग्वा्लियर। उदभव सांस्कृअतिक एवं क्रीड़ा संस्थावन तथा ग्रीनवुड पब्लिक स्कूतल के संयुक्तओ तत्वाभधान में जीवाजी विश्वरविद्यालय तथा सिंधिया कन्याक विद्यालय के सहयोग से आयोजित किये जाने वाले सांस्कृीतिक महाकुम्भ ग्रीनवुड उदभव का शुभारम्भज एक भव्य् कार्निवाल के साथ होगा। कार्यक्रम के मुख्यत अतिथि ताइवान के राजदूत बौशुआन गेर होगें। अध्य क्षता उजबेकिस्तारन के राजदूत दिलशोाद अखाटाव करेंगें। विशिष्ट् अतिथि के रूप में ताईवान की वाइस काउंसलर ऐलिसन चाओ, जीवाजी विश्वजविद्यालय के कुलपति अविनाश तिवारी एवं सिंधिया कन्यु विद्यालय की प्रायार्चा सुश्री निशि मिश्रा होंगी।

उदभव के अध्यतक्ष डॉ. केशव पाण्ड्ेय ने पत्रकारवार्ता में यह जानकारी दी। ग्रीनवुड पब्लिक स्कूवल की चैयरमेन श्रीमती किरण भदौरिया ने बातया कि ग्रीनवुड उदभव उत्सडव 2022 की शुरूआत 29 अक्टूबर को अपरान्हस 3 बजे फूलबाग से एक भव्यर कार्नीवाल के साथ होगी। जिसमें नेशनल डॉग हवा यूनिवर्सिटी, ताईवान, फाल्केलोर ग्रुप काहौर, किर्गिस्तुन, फोल्कूलोर ग्रुप हवास उजबेकिस्ता0न, अजांना राजपकक्षे कलायाथनाया श्रीलंगा के दल अपने पारम्पोरिक परिधानों में नृत्य। एवं संगीत की प्रस्तुसतियां देते हुए चलेगें। विदेशी दलों के साथ-साथ भारत के विभिन्नव प्रांतों से आये नृत्यिदल भी अपने-अपने प्रान्तीपय परिधानों में प्रस्तुेतियां देते हुये कार्नीवाल की भव्य ता प्रदान करेंगें। ताइवान के राजदूत एवं उजबेकिस्तोन के तथा ताइवान दूतावास के अन्यत प्रतिनिधि भी कार्निवाल का आकर्षण होगें।

उदभव के सचिव दीपक तोमर ने बताया कि उद्भव ने अपने रजत जयंती वर्ष में कार्यक्रम को अन्त र्राष्टीदय सांस्कृतिक मंच पर विशिष्टा रूप से स्था पित किया है। जिसके फलस्वेरूप ताइवान इस कार्यक्रम में पार्टनर कण्ट्री के रूप में शामिल हुआ है। ताइवान दूतावास के प्रतिनिधियों के साथ-साथ ताइवान के भारत में ऐजुकेशन डायरेक्टकर एवं इकानामिक डायरेक्टटर सहित अनेकों अतिविशिष्ट0 व्यवक्ति इस कार्यक्रम में शामिल होगें। उदभव एवं ताईवान के इस गठजोड़ से निश्चित ही भारतीय कलाकारों को प्रतिभा प्रदर्शन के उच्चक स्त्रीय अवसर प्राप्ते होगें। रंगारंग कार्निवाल फूलबाग से शुरू होकर रानी लक्ष्मीबाई विद्यालय स्माटरक, पड़ाव चौराहा होते हुए सिंधिया कन्याा विद्यालय पहुंचेगा जहां एक भव्य समारोह के अन्तशर्गत सांयकाल 5 बजे %%ग्रीनवुड उदभव उत्सवव-2022%% का भव्यस शुभारम्भ? होगा। 29 से लगातार 5 दिन विभिन्नर संस्कृजतियों का समागम नृत्यम एवं संगीत के माध्य म से ग्वावलियर वासियों को देखने मिलेगा।

मिशन पिंक हेल्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

मिशन पिंक की जिला समन्वयक डॉ. रीता मिश्रा ने बताया कि उदभव के इस अंतरराष्ट्रीय उत्सव में मिशन पिंक हेल्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पाँच दिवसीय आयोजन में महिलाओं एवं युवतियों का हीमोग्लोबिन, नेत्र परीक्षण एवं ब्लड शुगर की निशुल्क जांच की जाएगी।

जीवन को तीर्थ बनाकर जीना है तो पुण्य जरूर करें: मुनिश्री

मुनिश्री विनय सागर महाराज लोहमडी पहुचकर पवन जैन पत्रकार के निवास पर मंगल कलश स्थापित किया

ग्वालियर। दुनिया में हर चीज का मूल्य है कुछ चीजों का सिर्फ मूल्य है तो कुछ चीजें बहुमूल्य हैं। एक समय ही है जो अमूल्य है समय को खरीदा या बेचा नहीं जा सकता। आदमी पैसा तो ज्यादा से ज्यादा कमा सकता है पर समय नहीं कमाया जा सकता। दुनिया का पूरा पैसा मिल कर भी एक सैकेंड नहीं खरीद सकता। समय के रहते संभल जाओ वरना तुम्हें पता ही होगा कि समय की मार बड़ी गहरी होती है। उक्त उद्गार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज बुधवार को लोहामंडी स्थित नयागंज पवन जैन पत्रकार के निवास पर चातुर्मास कलश स्थापना पर संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि कपड़ा चूहा भी काटता है और दर्जी भी। चूहा काटता है तो बंटाधार हो जाता है और दर्जी काटता है तो उद्धार हो जाता है। जीवन ज्ञानी-अज्ञानी दोनों जीते हैं, अज्ञानी जीवन को तमाशा बनाकर जीता है और ज्ञानी जीवन को तीर्थ बनाकर। जीवन को तीर्थ बनाकर जीना है तो हर रोज कम से कम दो पुण्य जरूर करें। जिस रोज दो पुण्य न कर सको, शाम को दो रोटी कम खाना। रात में भूख लगेगी तो अपने आप अक्ल आ जाएगी। मुनिश्री ने कहा कि पुण्य सबसे बड़ा सुरक्षा कर्मी है। अत- सत्कर्म करते चलो और पुण्य से झोली भरते चलो। केवल पैसा मत कमाओ। पैसे के साथ प्रतिष्ठा और प्रसन्नता भी कमाओ। पैसा तो वेश्या भी कमा लेती है।

इंटरनेशनल रेसलर रानी के भाई को गोली मारी, गंभीर

जमीन के लिए चाचा, चचेरे भाइयों ने पिता पर भी कुल्हाड़ी से हमला किया

ग्वालियर। इंटरनेशनल रेसलर रानी राणा के भाई पर उसके ही चाचा और चचेरे भाइयों ने जानलेवा हमला किया है। हमला जमीन के एक टुक? के लिए किया गया। हमलावरों ने पहले कुल्हा?ी से वार किया, फिर गोली मार दी। गोली सीने पर लगी। घटना हस्तिनापुर थाना इलाके के जखारा गांव की है। घायल को जेएएच के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हालत नाजुक है। घटना के बाद रेसलर रानी राणा भी अस्पताल पहुंचीं। उनका कहना है कि पूरा देश उन्हें और उनके खेल को चाहता है, लेकिन घर के ही लोग जान के दुश्मन बनते जा रहे हैं। ग्वालियर के हस्तिनापुर थाना स्थित जखारा गांव निवासी रानी राणा इंटरनेशनल रेसलर हैं। वह इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।रानी और उनका परिवार जखारा गांव में रहता हैं। मंगलवार देर शाम रानी का भाई दिग्विजय सिंह राणा, पिता सुरेंद्र राणा और मां खेत पर कुछ काम करा रहे थे। इस जमीन को लेकर उनका चाचा बच्चू सिंह राणा, चचेरे भाई बंटी, शेरा, बल्लू से विवाद चल रहा है। आरोपी भी खेत पर पहुंच गए।

पहले काम करने से रोका, फिर हमला कर दिया

आरोपियों ने पहले काम करने के लिए मना किया और जमीन खाली करने के लिए कहा, लेकिन जब रानी के भाई ने विरोध किया तो वह मारपीट पर उतर आए। हमलावरों ने दिग्विजय व उसके पिता सुरेंद्र पर कुल्हा?ी से हमला किया। इसी बीच आरोपियों में से एक ने गोली चला दी। गोली दिग्विजय को लगी। इसके बाद हमलावर भाग निकले।

रेसलर बोलीं- वो हमारी जमीन हड़पना चाहते हैं

रेसलर रानी राणा ने आरोप लगाया है कि हमलावर उसके ही रिश्तेदार हैं। वह ब? भाई और पिता की हत्या के इरादे से ही आए थे। आरोपी उनकी जमीन ह?पना चाहते हैं। इसलिए वे हमें परेशान कर रहे हैं। विवाद काफी टाइम से चला आ रहा है। आरोपियों के पास तो अपनी बहुत जमीन पहले से है, लेकिन उनकी आंखें पिता की जमीन पर भी है। वे गुंडागर्दी से इसे हड़पना चाहते हैं।

शादी के लिए हनुमानजी का चोला खरोंचा

चोला की खुरचन से पूजा के बाद हटनी थी शादी में लगी बाधा, मूर्ति टूटी हंगामा

ग्वालियर। ग्वालियर में एक अजीब तरह की घटना हुई है। 25 साल के युवक को किसी ने बताया कि उसकी शादी में बाधा है। यह बाधा हनुमान जी ने लगाई है। अब उसे सूर्य ग्रहण की शाम हनुमान का चोला खरोंचकर लाना है। उससे विशेष तरह की पूजा की जाएगी, जिससे शादी पर लगी बाधा हट जाएगी। युवक ने पेचकस लेकर चोला खरोंचने पहुंचा, लेकिन पेचकस ज्यादा तेज लगा तो मूर्ति चटक गई।

घटना इंदरगंज स्थित चंदोलकर का बा?ा स्थित हनुमान मंदिर की है। जब लोग वहां पहुंचे तो वहां हंगामा ख?ा हो गया। हिंदू महासभा के सदस्यों ने हंगामा किया तो पुलिस मौके पर पहुंची। तत्काल पता लग गया कि अमित नाम का ल?का मंदिर में आया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी ने ही यह पूरी कहानी सुनाई है।

इंदरगंज थाना क्षेत्र के छप्परवाला पुल व जयेंद्रगंज के बीच गली को चंदोलकर का बा?ा कहते हैं। यहां मराठी समाज का एक पुराना मंदिर है। सूर्य ग्रहण खत्म होने के बाद जब स्थानीय लोग मंदिर को धोने पहुंचे तो मंदिर में हनुमानजी की मूर्ति टूटने का पता चलते ही हंगामा हो गया। सूचना पर पुलिस व हिंदू महासभा के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। पुलिस ने मंदिर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवाई तो एक शख्स मंदिर से निकलता दिखा। बाद में जब उस युवक की पहचान की गई तो वह इसी इलाके का रहने वाला ऋषि खटीक निकला। जिस पर पुलिस ने संदेही को हिरासत में लिया और मंदिर में मूर्ति खंडित करने की मंशा जानने के लिए पूछताछ शुरू की। इसके बाद जो खुलासा हुआ उसे सुनकर पुलिस भी चौक प?ी। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मूर्ति खंडित करने का मामला दर्ज कर उसकी विधिवत गिरफ्तारी की है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हिंदू महासभा के लोगों का गुस्सा शांत हुआ है। उन्होंने खंडित मूर्ति को कप? से ढक दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अजाक्स जिलाध्यक्ष की माताजी को केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने म.प्र. अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के जिलाध्यक्ष मुकेश मौर्य के अनुपम नगर स्थित निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी स्वर्गीय मिथलेश मौर्य को पुष्प अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, पूर्व विधायक रामवरन सिंह गुर्जर, क्षेत्रीय पार्षद अनिल त्रिपाठी, साइंस कॉलेज की जनभागीदारी सदस्य ऊषा मौर्य, सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव सहित गणमान्य जन उपस्थित थे।

ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 करोड़ 36 लाख की लागत से नवीन विद्युत सब-स्टेशन सहित विभिन्न विद्युत सुधार कार्यों का भूमिपूजन होगा

ग्वालियर। ग्वालियर में विकास का पहिया तेज गति से निरंतर गतिमान है और प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 27 अक्टूबर 2022 को वार्ड क्र.-12 में शाम 4 बजे 2 करो? 3 लाख रूपये की लागत से लाईन नम्बर-1, श्याम बाबा मंदिर के पास नवीन विद्युत सब स्टेशन का भूमि पूजन करेंगे। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 करो? 36 लाख की लागत से नवीन विधुत सब स्टेशन सहित विभिन्न विधुत सुधार कार्यों के भूमि पूजन आज ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर करेंगे। इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री श्री तोमर सुबह 10 बजे वार्ड क्र.-15 वैष्णोंपुरम में लागत 11 लाख 73 हजार से 33 केबी पोल विधुत सुधार कार्य का भूमिपूजन, वार्ड क्रमांक - 16 श्याम हवेली वाली गली में विद्युत सुधार कार्य का भूमि पूजन, वार्ड-16 में रेशम मील में विधुत लाईन सुधार कार्य भूमि पूजन, दोपहर एक बजे वार्ड-17 में चौहान क्रेन पर विधुत लाईन सुधार कार्य का भूमि पूजन, दोपहर 2 बजे वार्ड-17 में त्यागी बाबा आश्रम से कोरी समाज कार्यालय के पास 11 केबी विद्युत लाईन सुधार कार्य का भूमि पूजन ऊर्जा मंत्री श्री तोमर करेंगे। इस अवसर पर सभी वार्ड पार्षद और जन प्रतिनिधि और सम्मानीय जन उपस्थित रहेंगे।

जेल में भाईयों से मिली बहनें, किए तिलक, मांगी लंबी उम्र की दुआएं

ग्वाोलियर। ग्वालियर सहित प्रदेश की सभी जेल में कोरोना संक्रमण के बाद से बंदियों की मिलाई पर लगाई रोक अब हट गई है। सूर्य ग्रहण के चलते इस बार बुधवार-गुरुवार दो दिन भाईदूज का त्योहार मनाया जा रहा है। सेन्ट्रल जेल में बुधवार दोपहर तक 12 हजार से ज्यादा बहनें अपने भाइयों से मिलने और उनको तिलक करने पहुंच गई थीं।दो साल बाद खुले परिसर में बहन-भाई आमने-सामने थे। भाई के माथे पर तिलक करते ही बहनों और भाइयों के आंखों में आंसू भर आए। जेल प्रबंधन ने भी अपने स्तर पर सारे इंतजाम किए हैं। गुरुवार को भी सेन्ट्रल जेल में भाईदूज मनाया जाएगा।

सेन्ट्रल जेल में खुले परिसर में आमने-सामने से सीधी मुलाकात का फरमान आने के बाद बंदियों के साथ उनकी बहनों और परिवारों में भी खुशी है। जेल अधीक्षक विनीत सरवईया ने बताया कि दौज पर इस बार बहनों को तिलक के लिए जेल में आने की जेल मुख्यालय से अनुमति मिली है। दो दिन बुधवार-गुरुवार को भाईदूज का त्योहार जेल में मनाया जा रहा है। जेल में लगभग 3000 बंदी हैं, लेकिन दो दिन में 15 हजार के लगभग बहनें सेंट्रल जेल में आने की संभावना है।जेल मुख्यालय से जेल प्रबंधन को आदेश मिला है कि टीका करने आने वाली बहनों की खुले परिसर में मुलाकात कराई जाए, लेकिन वह अपने साथ खान-पान का सामान नहीं जा सकेंगी। इसलिए रोरी चावल का इंतजाम भी जेल प्रबंधन ने किया था।जेल में सजा काट रहे बंदी दीपों के त्योहार पर अकेलापन महसूस ना करे, इसके लिए जेल प्रबंधन द्वारा दीपावली और भाईदूज पर उनके लिए पक्का खाना बनवाया है। जिसमें पूडी-सब्जी के साथ ही मिठाई व खीर रखी गई है।

गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

ग्वा्लियर।अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला ग्वालियर द्वारा गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर कार्यालय ग्वालियर में किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आशीष तिवारी, सुशील बरुआ संभाग समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ग्वालियर संभाग सुश्री उषा पी शर्मा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग, आत्मा परियोजना के जिला अधिकारी धर्मेंद्र दीक्षित जिला समन्वयक जन अभियान परिषद एवं नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि नगर विकास समिति के प्रतिनिधि और शहर के पर्यावरण प्रेमी मुरार ब्लॉक के उन्नत खेती करने वाले कृषक लगभग 80 लोगों की सहभागिता एनआईसी सभा ग्वालियर में हुई ।कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन को सुना गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478